आषाढ़ कृष्ण पक्ष -2, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 03 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
23 जून 2024 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
34 अधिकतम
26 न्यूनतम

Page- 7

कार्रवाईयों के बाद भी आरोपों के कटघरे में सरकार

नीट को क्लीन करने की जद्दोजहद स्पेशल 1563 पहुंचे परीक्षा देने

नई दिल्ली , एजेंसी।

नीट में सामने आई गड़िबड़यों पर गुस्से का गुबार कम नहीं हो रहा है। छात्र भी नाराज हैं और विपक्षी दलो ने सरकार की घेराबंदी कर रखी है। इस बीच आज ग्रेस मार्क्स पाने वाले छात्रों की फिर से परीक्षा ली जा रही है। इस पर काफी एहतियात बरते जा रहे हैं यह परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5.20 बजे के बीच हो रही है। इस परीक्षा का रिजल्ट 30 जून तक जारी किया जाएगा। फिर काउंसलिंग की प्रक्रिया 6 जुलाई से शुरू होगी। गौरतलब हैकि बीती रात केंद्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के डायरेक्टर जनरल सुबोध कुमार सिंह को हटा दिया व जांच सीबीआई को सौंप दी।

लेकिन आज होने वाली नीट पीजी की परीक्षा स्थगित करने पर सरकार को आलोचना का सामना भी करना पड़ रहा है। विपक्षी दलों ने सरकार को घेरा है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी की है। वहीं, डॉक्टरों ने भी परीक्षा स्थगित होने पर निराशा जताई है।

दरअसल स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि उसने कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता पर हाल ही में लगे आरोपों के मद्देनजर एहतियात के तौर पर आज 23 जून को होने वाली नीट-पीजी प्रवेश परीक्षा को स्थगित करने का फैसला किया है। इस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, अब नीट-पीजी भी स्थगित ! यह नरेंद्र मोदी के राज में बर्बाद हो चुकी शिक्षा व्यवस्था का एक और दुर्भाग्यपूर्ण उदाहरण है। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज कहा कि बड़ी परीक्षाओं को पेपर लीक के कारण रद्द करना मोदी सरकार की कार्यशाली बन गई है लेकिन पेपर रद्द करना और अधिकारियों को बदलना इस समस्या का समाधान नहीं है इसलिए इस दिशा में भेदभाव रहित तरीके से काम करने और सबके हित कदम उठाने की जरूरत है।

ग्रेस मार्क्स वाले शहरों में बने परीक्षा केंद्र

नीट यूजी परीक्षा में ग्रेस मार्क्स से पास होने वाले छात्रों की परीक्षा आज दोबारा आयोजित की जा रही है। इसमें कुल 1563 छात्र परीक्षा दे रहे हैं। जिसके लिए देशभर में 6 केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के दौरान एनटीए और केंद्रीय शिक्षा विभाग के अधिकारी भी केंद्रों पर मौजूद रहेंगे। यह परीक्षा उन्हीं शहरों में आयोजित होगी, जहां छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। कड़े सुरक्षा प्रबंध भी किये गये हैं छात्रों को बिना जूते के परीक्षा केंद्रो में जाने दिया जा रहा है।

इसरो की हैट्रिक, पुष्पक की तीसरी सफल लैंडिंग कराई

बेंगलुरु, एजेंसी।

आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो ने अपने रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल-एलईएक्स-03 'पुष्पक' की लगातार तीसरी सफल लैंडिंग कराके बड़ी सफलता हासिल की। अब इसरो के लिए 'पुष्पक' का ऑर्बिटल री-एंट्री टेस्ट करने का रास्ता साफ हो गया है। यह परीक्षण बेंगलुरु से लगभग 220 किमी दूर चित्रदुर्ग जिले के चल्लकेरे में एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज में हुआ। पुष्पक को इंडियन एयरफोर्स के चिनूक हेलिकॉप्टर से 4.5 किमी की ऊंचाई तक ले जाया गया और रनवे पर ऑटोनॉमस लैंडिंग के लिए छोड़ा गया। दूसरे एक्सपेरिमेंट के दौरान पुष्पक को 150 मीटर की क्रॉस रेंज से छोड़ा गया था। क्रॉस रेंज बढ़ाकर 500 मीटर कर दिया गया।

बताया जाता है कि जब पुष्पक को हेलिकॉप्टर से छोड़ा गया था, उस वक्त उसकी लैंडिंग वेलोसिटी 320 किमी प्रतिघंटा से ज्यादा थी। ब्रेक पैराशूट की मदद से टचडाउन के लिए इसकी विलोसिटी को घटाकर 100 किमी प्रतिघंटा तक लाया गया। आरएलवी प्रोजेक्ट इसरो का एक महत्वपूर्ण प्रोग्राम है, जो अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की भारत की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आवश्यक तकनीक उपलब्ध कराता है. रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल से इसरो को स्पेस में लो-कॉस्ट एक्सेस मिलेगा ।

मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने आज डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय के सामने स्थित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

आषाढ़ का पहला दिन..मानसून राजधानी के बिल्कुल करीब

नई दिल्ली/भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आज से आषाढ का महीना शुरू हो गया है। यह बारिश का महीना कहलाता है। इसी के साथ देश के कई राज्यों में मॉनसून का बकायदा आगमन भी हो चुका है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल रही है लेकिन उमस पीछा नहीं छोड़ रही। उत्तर भारत के कुछ राज्यों में अभी भी मॉनसून का इंतजार है, पश्चिमी यूपी के कुछ इलाकों में लू चलने की आशंका है। वहीं मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। आज या कल तक भोपाल में भी मानसून के दस्तक देने का आसार हैं। बताया जाता है कि यहां मजबूत सिस्टम बन रहा है जो आंधी पानी साथ लाएगा।

स्काईमेट के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ, मराठवाड़ा, कोंकण और गोवा, तटीय कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश संभव है। वहीं मध्य महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश के उत्तरी तट, दक्षिण गुजरात, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी गुजरात, पूर्वी राजस्थान, सिक्किम, ओडिशा और पूर्वोत्तर भारत में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। इसके अलावा रायलसीमा, आंतरिक कर्नाटक और पश्चिम बंगाल के गंगा के तटीय इलाकों, बिहार, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में हल्की बारिश हो सकती है. अगले 24 घंटों के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में लू चल सकती है और उसके बाद इसमें कमी आ सकती है।

दिल्ली में हीटवेव से कई मौतें

दिल्ली एनसीआर में गर्मी के बीच कोरोना काल के बाद अचानक मौतों के आकड़ों में वृद्धि देखी गई है. यहां बीते 4 दिन में 93 शव पोस्टमार्टम के लिए मॉर्च्युरी पहुंचे । इसके चलते पूरे परिसर में शव रखे नजर आए। कई जगह गंदगी फैल गई। बीते दिनों सोशल मीडिया पर पोस्टमार्टम हाउस का वीडियो भी सामने आया, जिसके बाद सफाई कराई गई।

प्रज्जवल के भाई भी यौन उत्पीडन में गिरफ्तार

बेंगलुरू, एजेंसी।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में फंसे प्रज्वल रेवन्ना के भाई सूरज रेवन्ना को भी हासन पुलिस ले गिरफ्तार कर लिया है। सूरज पर जेडीएस कार्यकर्ता के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का आरोप है। कर्नाटक में पुलिस ने जेडीएस एमएलसी सूरज रेवन्ना के खिलाफ पार्टी के 27 वर्षीय युवा कार्यकर्ता के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने का मामला दर्ज किया था। यह मामला सूरज रेवन्ना के एक करीबी सहयोगी द्वारा कथित पीड़ित के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज कराने के एक दिन बाद आया है। पुलिस ने इस मामले में सूरज रेवन्ना और उनके सहायक शिवकुमार को आरोपी बनाया है। पीड़ित की कल देर रात बेंगलुरु के बॉरिंग अस्पताल में मेडिकल जांच करायी गई। आज आरोपी का पोटेंसी टेस्ट होना है। पीडित ने कहा कि शिवकुमार ने मुझे मुंह नहीं खोलने के बदले 2 करोड़ रुपये की पेशकश की। मेरी जान को खतरा था, इस डर से मैं बेंगलुरु आ गया।

उप्र में डीएसपी को बना दिया दरोगा

लखनऊ एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस में एक डिप्टी एसपी कृपाशंकर कनौजिया को दोबारा सिपाही पद पर रिवर्ट कर दिया गया है। उन्नाव में सीओ बीघापुर रहे कनौजिया को अब 26वीं वाहिनी पीएसी गोरखपुर में आरक्षी तैनात किया गया है। दरअसल कनौजिया एक महिला सिपाही के साथ होटल में पकड़े गए थे। मामला जुलाई 2021 से शुरू हुआ था जब वे छुट्टी लेकर गायब हो गए थे। कनौजिया ने एसपी उन्नाव से पारिवारिक कारणों से छुट्टी मांगी थी मगर छुट्टी मंजूर होने के बाद वो घर जाने के बजाय कहीं और चले गए। उन्होंने कानपुर के एक होटल में चेक इन किया था उनके साथ एक महिला सिपाही भी थी। इस दौरान सीओ ने अपने प्राइवेट और सरकारी दोनों मोबाइल नंबर बंद कर दिए। नंबर बंद जाने पर परेशान पत्नी ने जब पूछताछ की तो पता चला कि वह छुट्टी लेकर घर के लिए निकले थे। इस पर पत्नी ने एसपी उन्नाव को फोन करके मदद मांगी थी।

टी 20: अफगानिस्तान ने आस्ट्रेलिया को हराकर किया बड़ा उलटफेर

किंगस्टनः आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप में आज सुपर 8 की जंग में नया मोड आ गया है। किंग्सटाउन में अफगानिस्तान ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 21 रनों से हरा दिया। मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 149 रन बनाने थे, लेकिन उसकी पूरी टीम 19.5 ओवर्स में 127 रनों पर ही सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अफगानिस्तान की इंटरनेशनल क्रिकेट में यह पहली जीत रही। जीत के हीरो गुलबदीन नायब रहे, जिन्होंने चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की कमर तोड़ दी। अफगानिस्तान ने अब पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप की हार का बदला ले लिया है,तब ग्लेन मैक्सवेल ने ऐतिहासिक दोहरा शतक जड़कर अफगानिस्तान से मैच छीन लिया था।

मेट्रो एंकर ओडीसा में नहीं है सीएम हाउस, निजी घर से काम करते थे नवीन

वर्क फ्रॉम होम सीएम की हार के बाद नए के लिए मुख्यमंत्री निवास नहीं !

भुवनेश्वर , एजेंसी।

हाल में ओडिशा को नए मुख्यमंत्री मोहनचरण मांझी के रूप में मिले हैं। करीब ढाई दशक से जारी सीएम नवीन पटनायक की सत्ता से विदाई के बाद समस्या यह है कि नए सीएम का निवास कहां बने ! क्योंकि पटनायक पूरे मुख्यमंत्रित्व काल में अपने ही घर से काम करते रहे, यानी वर्क फ्राम होम। इसलिये इतने बड़े ओडीसा में कभी सीएम हाउस जैसा कोई ईयरमार्क निर्माण हुआ ही नहीं। अब कुछ खाली क्वाटर्स को मिलाकर नया सीएम हाउस बनाए जाने का विकल्प है। बाद में संभव है कि नई व्यवस्था या निर्माण की जरूरत पड़े। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नए मुख्यमंत्री के लिए कई खाली पड़े सरकारी क्वार्टरों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इन सभी बड़ी इमारतों की जांच परख की जा रही है। इसमें जरूरी सुविधाओं के लिए भी समय लगेगा। शपथ के तत्काल बाद फिलहाल के लिए स्टेट गेस्ट हाउस में एक सुईट तैयार किया गया था।

मौजूदा मुख्यमंत्री के शपथ लेते ही आधिकारिक सरकारी आवास की तलाश तेज कर दी गई थी। बताया जाता है कि राजभवन व एजी स्क्वालर के बीच यह सरकारी क्वार्टर की इमारतें हैं। पटनायक के पहले कांग्रेस के मुख्यमंत्री जेबी पटनायक व गिरिधर गोमांग इसी में रहते थे। बाद में इसे पटनायक ने शिकायत प्रकोष्ठ भवन में तब्दील कर दिया था। अब इन्ही को जोडकर माडिफाई किया जाएगा। मगर खासियत यह है कि पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने कभी नया सीएम हाउस बनाने के मोह से दूर रहे। उन्होंने कोई सरकारी आवास नहीं लिया और खुद के घर को ही मुख्यमंत्री आवास बना दिया था। उन्होंने 2000 में ओडिशा की कमान संभाली थी। अपने घर से ही काम के ऑप्शन की खूब चर्चा रही थी। इसे मिसाल माना जाता है।

ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ पालिटिक्स की हवेली: *उल्लेखनीय है कि नवीन के पिता और ओडिशा के पूर्व सीएम बीजू पटनायक ने भुवनेश्वर में नवीन निवास नाम से एक बड़े हवेली का निर्माण करवाया था। उनको ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडियन पॉलिटिक्स के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि देश में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड नवीन पटनायक के नाम है। वह हाल में भाजपा के हाथों चुनाव हारे हैं। मगर अब कुर्सी खिसकने के बाद भी उन्हें सीएम आवास को नहीं छोड़ना पड़ा, जैसा कि अन्य राज्यों में होता है।*

मोतियाबिंद अब सिर्फ बड़ी उम्र के लोगों का रोग नहीं रहा!

इसकी चपेट में आने लगे हैं युवा और किशोर, करा रहे सर्जरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अक्सर बडी उम्र में घेरने वालाा मोतियाबिंद रोग अब युवाओं को भी परेशान कर रहा है। यह तथ्य एम्स भोपाल के अध्ययन में सामने आया है। दरअसल एम्स के नेत्र विभाग द्वारा तीन वर्ष में दो हजार 621 लोगों की मोतियाबिंद की सर्जरी की गई। इनमें से 40 प्रतिशत मरीजों की आयु 60 वर्ष से कम थी, जिनमें 36 मरीजों की आयु तो 18 वर्ष से भी कम रही। युवाओं में मोतियाबिंद के कारणों

में मधुमेह, रक्त संचरण का गड़बड़ होना और लंबे समय तक स्टाराइड खाना सामने आया है जबकि किशोरों और बच्चों में इसके कारणों पर चिकित्सक अभी शोध कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक एम्स ने अपने अध्ययन में राजधानी के मेडिकल कालेज गांधी मेडिकल कालेज के हमीदिया अस्पताल आंकड़े शामिल किए हैं। इसके अनुसार बीते एक वर्ष में ही हमीदिया व एम्स में मिलाकर 18 वर्ष से कम आयु के मोतियाबिंद से पीड़ति 25 बच्चों की सर्जरी हुई है। हमीदिया के नेत्र विभाग में 2023 में प्रति माह 36 मोतियाबिंद की सर्जरी हुईं। वर्ष 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 46 हो गया। वर्ष 2023 में 16 वर्ष से कम आयु के दो माह में एक केस मोतियाबिंद का आता था। वहीं 2024 में प्रति माह एक व इससे ज्यादा केस देखे गए हैं।

एम्स की नेत्र विभाग प्रमुख डा. भावना शर्मा का कहना है कि मोतियाबिंद की समस्या ज्यादातर उनमें देखी गई, जिनमें मधुमेह, ब्लड सकुर्लेशन सही नहीं रहना, लंबे समय से स्टाराइड दवाई खाना व स्मोकिंग की आदत थी। हालांकि कम आयु में मोतियाबिंद के बढ़ते मामलों के की सटीक जानकारी के लिए शोध किया जा रहा है। हमीदिया अस्पताल की नेत्र विशेषज्ञ डा. अदिति दुबे के अनुसार 18 वर्ष के तक युवाओं में मोतियाबिंद की समस्या कारण डाक्टर की परामर्श के बगैर स्टायराइड की दवाइयां का ज्यादा सेवन और अनुवांशिक कमी मानी जा रही है।

सरकार का दावा– फिजिबिलिटी सर्वे कराया, रिपोर्ट भी अच्छी आई

भोपाल-इंदौर में मेट्रो का काम पहले से टीला अब उज्जैन तक वंदे मेट्रो पर जोर

भोपाल। इंदौर-भोपाल में मेट्रो का काम पहले से टीला चल रहा है। अब उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने की बात सामने आ गई है। यह दावा सरकार की ओर से किया जा रहा है। उज्जैन में जो मेट्रों पहुंचेगी वह इंदौर के एयरपोर्ट से होकर जाएगी। इसकी शुरुआत सिंहस्थ 2028 के पहले होगी। इसके लिए अलग से ट्रैक नहीं बिछाया जाएगा, बल्कि ये वंदे मेट्रो मौजूदा रेलवे ट्रैक पर ही दौड़ेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के बीच इसको लेकर चर्चा हो चुकी है। मप्र सरकार ने इसके लिए फिजिबिलिटी सर्वे कराया है।

मुख्यमंत्री और रेल मंत्री के बीच हुई मप्र में मेट्रो की जगह वंदे मेट्रो चलाने पर चर्चा

बड़े शहरों के लिए अलग ट्रैफिक प्लान बनेगा

बड़े शहर जैसे भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में नया ट्रैफिक प्लान लागू करने का लिया, जिसमें वंदे मेट्रो के अलावा रोप-वे, इलेक्ट्रिक-बस और केबल-कार जैसे सार्वजनिक साधनों का उपयोग किया जाना शामिल है। यह प्लान जनप्रतिनिधियों से चर्चा करने और विशेषज्ञों से राय लेने के बाद बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार सीएस व अन्य अधिकारियों की मौजूदगी बैठक लेकर इसके निर्देश दिए हैं।

अधिकारियों का दावा– इस वर्ष के अंत तक दौड़ेंगी दोनों शहरों में मेट्रो

मुख्यमंत्री के सामने बैठक में अधिकारियों ने दावे किए कि दोनों ही शहरों में ट्रैक के कुछ हिस्से पर इस साल के अंत तक मेट्रो का संचालन शुरू कर देंगे। बाकी के चरणों के काम 2027 तक पूरे किए जाएंगे। यह भी बताया कि भोपाल में 27 ट्रेन, जबकि इंदौर में 25 मेट्रो चलाई जाएंगी।

अमरनाथ यात्रा के लिए हजार यात्री होंगे रवाना, पहला जत्था 26 को

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अमरनाथ यात्रा के लिए राजधानी से 300 यात्रियों का पहला जत्था 26 जून को रवाना होने वाला है। इसके लिए ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के सदस्यों ने अमरनाथ यात्रियों को प्रशिक्षण दिया है। मकसद यही है कि बाबा अमरनाथ के दर्शनों के लिए जा रहे श्रद्धालु आसानी से इस दुर्गम यात्रा को पूरा कर सकें। इसके लिए अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीयन कराने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच भी की गई है। हालांकि मंडल के पदाधिकारी ने जम्मू-कश्मीर में इन दिनों हालात नरम व गरम बने रहने पर चिंता भी जताई है। अमरनाथ यात्रा के दौरान कोई विघ्न न आए,इसके लिए ओम शिव शक्ति सेवा मंडल की ओर से श्रद्धालुओं की सलामती के लिए पांडुरणा स्थित प्रसिद्ध नागेश्वर मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक और हवन किया गया। यात्रा की सफलता के लिए भोलेनाथ से विशेष प्रार्थना की गई। इसके अलावा चमत्कारी हनुमान मंदिर जाम सबरी एवं सूर्य पुत्री ताप्ती माता मंदिर मुलताई में दर्शन कर अमरनाथ यात्रियों की यात्रा सकुशल संपन्न हो, इसके लिए प्रार्थना की। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल की ओर से अमरनाथ यात्रा के लिए इस बार छह जत्थे रवाना होंगे। श्रद्धालुओं का पहला जत्था 26 जून को जाएगा, जिसमें करीब 300 यात्री जाएंगे। इसके बाद 27 जून को दूसरा जत्था रवाना होगा। सबसे बड़ा जत्था 10 जुलाई को रवाना होगा, जिसमें करीब 700 श्रद्धालु जाएंगे।

संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट में आयोजन

हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट में 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर विशेष योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन छात्राओं में योगासन के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना था। संत हिरदाराम नेचुरोपैथी एवं योगिक विज्ञान मेडिकल कॉलेज की योग प्रशिक्षक डॉ. ज्योति केसवानी ने सर्वप्रथम छात्राओं को योगासन का अर्थ समझाया एवं उससे होने वाले फायदों से अवगत कराया। स्पोर्ट्स क्लब के तत्वाधान में आयोजित इस सत्र में प्रशिक्षक, संस्थान की छात्राओं एवं शिक्षकों ने विभिन्न आसान जैसे ता?ासन, त्रिकोणासन, वृक्षासन, भद्रासन, नाड़ी शोधन आसान, जानुशीर्षासन, नाड़ी शोधन प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम एवं सूक्ष्म प्राणायाम का अभ्यास किया। इस अभ्यास के बाद छात्राओं ने परिवर्तन महसूस किया।

'आजीवन निरोगी रहने के तीन मंत्र उपवास, पेट की सफाई और नींद'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम योगा एवं नेचर क्योर हास्पिटल आरोग्य केन्द्र में ÷दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर÷ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अनुभव सत्र का आयोजन किया गया।शिविर में अलग-अलग स्थानों से संत हिरदाराम नगर में आए हैं।

सत्र में डॉ. रमेश टेवानी जी ने बताया कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ हैं, इस जीवन का अंतिम लक्ष्य यह हैं कि हम प्रभु के चरणों मे समा जाए, ये लक्ष्य पूरा तब होता हैं जब हम तन व मन से स्वस्थ हो, तन से स्वस्थ होने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा, मन से स्वस्थ होने के लिए ध्यान, प्रणायाम और योग व जीवन को सार्थक करने के लिए समाज सेवा। शिविर का उद्देश्य पूरे भारत को दवा रहित व दर्द रहित बनाना है। आजीवन निरोगी रहने के लिए उपवास, पेट की सफाई व नींद ये तीन चीजें जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, उपवास रसाहार व फलाहार के माध्यम से करते हैं। आप सबका दायित्व

यह हैं कि आपने इस स्थान से जितना सीखा हैं उतना दूसरो को बांटे ताकि वो भी आपके जैसे स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखें। जिसके जीवन में प्यार व आनंद हैं, वह साधक कभी भी अस्वस्थ नहीं हो सकते हैं, परिस्थिति कैसी भी हो हमें हमेशा मुस्कुरान व आनंद में रहना चाहिए। 24 घंटे में से 1 घंटा हमें हमारे स्वास्थ्य की लिए समय निकालना चाहिए, अज्ञान ही बीमारी का कारण हैं, अज्ञानता के कारण ही हम अपना जीवन व्यर्थ कर देते हैं इसलिए प्राकृतिक चिकित्सा का ज्ञान प्राप्त करके स्वंय को डॉक्टर बनाना हैं। अनुभव सत्र में शिविरार्थियों ने अपने अनुभवां को साझा करते हुए कहाकि उन्हें दस दिनों में ही बी.पी., डायबीटिज, घुटनों के दर्द, हाथां पैरों के दर्द, अर्थराइटिस, साइनस, सरवाइकल स्पोंडिलाइटिस में काफी आराम हुआ। आगामी कैम्प 28 जून से 07 जुलाई 2024 को आयोजित किया जाएगा।

'योग का मस्तिष्क, दिल व आत्मा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश सिंधु भवन ट्रस्ट द्वारा सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया की यूथ विंग एवं लेडीज विंग के सहयोग से सिंधु भवन मे अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के आरंभ में ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र मनवानी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए योग दिवस पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सन 2014 में यू एन ओ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रस्ताव रखा कि प्रतिवर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाए, जिसे संयुक्त राष्ट्र सभा ने मंजूरी दी एवं 2015 से प्रतिवर्ष 21 जून को योग दिवस मनाया जाने लगा। साथ ही उन्होंने कहा कि योग ही वह माध्यम है जिससे मस्तिष्क, दिल एवं आत्मा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है एवं उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि हम अपनी दिनचर्या में योग को अवश्य शामिल करे जिससे कि व्यक्ति समृद्ध जीवन के साथ-साथ स्वस्थ जीवन भी व्यतीत करें। काउंसिल की यूथ विंग के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र जादवानी ने योगा के महत्व पर प्रकाश डाला। पेबल बे सोसाइटी के से दीपक श्रीवास्तव व लक्ष्मण राजपाल ने अपने संस्मरण सुनाए। कार्यक्रम में योग गुरु प्रवीण शर्मा द्वारा तकरीबन 1 घंटे योग आसन एवं प्राणायाम कराया गया। पूर्व अध्यक्ष तुलसी नेनवानी व उपस्थित ट्रस्टीगणों ने योगाचार्य प्रवीण शर्मा का शाल पहनाकर एवं मोमेंटो देकर सम्मान किया। समारोह के अंत में ट्रस्ट के सह सचिव हरीश ज्ञानचंदानी ने योग की महत्ता को बताते हुए आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर — प्रशासनिक अमले के साथ विधायक रामेश्वर शर्मा का दौरा

गांधीनगर का भगत सिंह मार्ग होगा फोर लेन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

हुजूर विधानसभा के आशाराम चौराहे से भोपाल बायपास अचारपुरा मार्ग जिसका नाम शहीद भगत सिंह मार्ग है इस मार्ग को फोर लेन किया जाएगा। लगभग 12 करोड़ की राशि से 4 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर स्ट्रीट लाइट के साथ साथ दोनों ओर डक्ट बनाई जाएगी। यह जानकारी विधायक रामेश्वर शर्मा ने दी।

शनिवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने प्रशासनिक अमले के साथ भगत सिंह मार्ग का दौरा किया। शर्मा ने बताया कि इस मार्ग पर ट्रैफिक दवाब बढ़ गया है जिससे स्थानीय नागरिकों को जाम की समस्या से जूझना प?ता है। शर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश सड़क निर्माण प्राधिकरण इस सड़क का निर्माण करेगा। विधायक रामेश्वर शर्मा ने सड़क को अधिकतम चौड़ा करने के निर्देश दिए है साथ ही मार्ग पर आने वाले अतिक्रमण साफ करने के भी निर्देश दिए हैं। श्री शर्मा ने कहा कि कनेक्टिविटी के साथ यह मार्ग इस क्षेत्र में रोजगार एवं उन्नति के नये

12 करोड़ से बनेगीं नाली, लगेगी स्ट्रीट लाइट

द्वार खोलेगा गांधीनगर को भोपाल का नया उपनगर बनाने की दिशा में यह फोर लेन रोड मिल का पत्थर साबित होगा। ज्ञात हो कि आचारपुर उद्योगिक केंद्र से इस मार्ग के जु?ने से लाखों नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। विधायक रामेश्वर शर्मा ने जोन 1 एवं जोन 20 क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान लालघाटी के सिंगार चोली फ्लाईओवर के नीचे जल भराव को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई। शर्मा ने यहां लोक निर्माण विभाग को सड़क चौड़ीकरण निर्माण के निर्देश दिए साथ ही नगर निगम को यहां नाली निर्माण के लिए निर्देशित किया। यहां से श्री शर्मा ने वार्ड 02, 01 एवं 03 में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का अवलोकन किया।

अगले 4 महीने में फ्लाई ओवर बन जाएगा

विधायक रामेश्वर शर्मा ने अधिकारियों के साथ संत हिरदाराम नगर के फाटक रोड पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर निर्माण कार्य का अवलोकन लोक निर्माण विभाग एवं अन्य अधिकारियों के साथ किया। श्री शर्मा ने बताया कि लोक निर्माण की ओर से लगभग कार्य पूर्ण है आगामी 4 माह के अंदर रेलवे सीमा का कार्य रेलवे द्वारा पूर्ण कर लिया जाएगा। जिसके बाद फ्लाईओवर को प्रारम्भ कर दिया जाएगा। श्री शर्मा ने बताया कि स्टेशन की ओर जाने वाले थर्ड लेग का कार्य भी शुरू हो गया है, चूंकि इसमें रेल्वे का पार्ट नही जिससे इसे जल्द से जल्द पूर्ण कर लिया जाएगा।

सिंधी पंचायत ने हीरो को दी जन्म दिन की बधाई

हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम साहब के शिष्य व पूज्य सिंधी पंचायत के संरक्षक भाऊ हीरो ज्ञानचंदानी का जन्मदिन पूज्य सिंधी पंचायत ने मनाया। पंचायत पदाधिकारियों ने ज्ञानचंदानी का शाल , फूल मालाओं से स्वागत कर जन्मदिन की बधाई दी। बधाई देने वालों में पंचायत महासचिव माधु चांदवानी, उपाध्यक्ष नंद दादलानी, मोहन मीरचंदानी ,गुलाब जेठानी, माधव पारदासनी, रमेश हिगोरानी ,राज मनवानी, घनश्याम लालवानी, दिलीप मंगतानी ,अनिल टेकचंदानी, मोहित शेवानी, कन्हैया नागदेव,जीतू शिवनानी,दिलीप थावानी,योगेश हिंगोरानी, सुरेश मंगतानी, राजकुमार आहुजा,सोहन मेवाड़ा आदि शामिल

डॉ. मुखर्जी : निष्काम, निस्वार्थ निष्कपट राज-योगी

■ विष्णुदत्त शर्मा

जम्मू- कश्मीर को भारतीय संविधान के दायरे में लाने और एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान (झंडा) के विरोध में सबसे पहले आवाज उठाने वाले भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 23 जून को बलिदान दिवस है। कश्मीर से विरोधाभासी प्रावधानों की समाप्ति के लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया, लेकिन चाहकर भी उनका यह स्वप्न उनके जीते जी पूरा नहीं हो पाया और रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनकी मृत्यु हो गई। उनका यह स्वप्न स्वतंत्रता प्राप्ति के 70 वर्ष बाद तब पूरा हुआ जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने अगस्त 2019 में संसद में संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35-। को समाप्त करने का बिल पारित कराया। लेकिन डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का भारत और भारतीयों के लिए योगदान सिर्फ जम्मू-कश्मीर तक सीमित नहीं है। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व का समग्र विश्लेषण उन्हें उन युग-पुरुषों में स्थापित करता है, जो वर्तमान की देहलीज पर बैठकर भविष्य की सामाजिक और राजनीतिक गणनाओं का आंकलन करने में समर्थ थे। पचास के दशक में, जनसंघ की स्थापना के मंगलाचरण के दौर में भारत की भावी राजनीति और सामाजिक व्यवस्थाओं को लेकर उन्होंने जो चिंताएं व्यक्त की थीं, वो आज पूरी विकरालता और भयावहता के साथ सिर उठाती दिखाई देती हैं।

डॉ. मुखर्जी बंगाली भद्रलोक के ऐसे प्रभावशाली परिवार में जन्मे थे, जो उस समय बंगाल में अपनी बौद्धिकता के लिए विख्यात था। मात्र 33 साल की उम्र में डॉ. मुखर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बन गए थे। इतनी कम उम्र में कुलपति बनने वाले वो पहले भारतीय थे। उनके पिता भी कलकत्ता विश्वविद्यालय में कुलपति रह चुके थे, लेकिन डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने यह मुकाम अपनी योग्यता और विद्वता से हांसिल किया था। शिक्षा के शिखर से उतरकर भारतीय राजनीति में उनका पदार्पण गहन राष्ट्रीय उद्देश्यों के लिए हुआ था। डॉ. मुखर्जी उस समय बंगाल में जारी मुस्लिम लीग की विभाजनकारी और सांप्रदायिक राजनीति से काफी नाराज और विचलित थे। मुस्लिम लीग की राजनीति बंगाल को एक और विभाजन की ओर ले जा रही थी। मुस्लिम लीग सुनियोजित तरीके से ब्रिटिश-शासन की मदद से भारत के पूर्वी हिस्सों में हिन्दुओं को हाशिए पर ढकेल रही थी। डॉ. मुखर्जी ने संकल्प लिया था कि मुस्लिम लीग की कट्टरता के खिलाफ वो हिन्दू-समाज को जागृत करेंगे। इस ल?ाई को वो सामाजिक और राजनीतिक, दोनों मोर्चों पर ल?ाना चाहते थे। इसी के मद्देनजर उन्होंने बंगाल में सक्रिय कृषक प्रजा पार्टी के प्रमुख फजल-उल-हक और बंगला के जाने-माने महाकवि काजी नजरूल इस्लाम के साथ इस काम को आगे ब?ाया।

हिन्दू एकता और देश की अखंडता पर आसन्न खतरों ने उन्हें हिंदू महासभा की ओर आकर्षित किया, जिसका नेतृत्व वीर सावरकर करते थे। 1939 में वो हिंदू महासभा के अध्यक्ष बन गए। अध्यक्ष के रूप मे उन्होंने घोषणा की कि संयुक्त भारत के लिए तत्काल समग्र स्वतंत्रता हांसिल करना हिंदू महासभा का मूल उद्देश्य है। महात्मा गांधी ने भी हिंदू महासभा में उनकी सक्रियता का स्वागत किया था। डॉ. मुखर्जी ने गांधीजी से कहा कि आप मेरे हिन्दू महासभा में शामिल होने पर खुश नही होंगे, तो गांधीजी ने उनसे कहा था कि दृ ''सरदार पटेल हिन्दू मनोमस्तिष्क से ओतप्रोत कांग्रेसमैन हैं, आप हिन्दू महासभाई हो, जिसका हृदय कांग्रेस का है। यही देश के हित में है''। महात्मा गांधी के कहने पर ही पं. नेहरू ने डॉ. मुखर्जी को अपनी कैबिनेट में शामिल किया था। नेहरू भी उनके कामों के कायल थे, लेकिन पाकिस्तान, कश्मीर या शरणार्थियों जैसे मसलों मे दोनों के बीच व्यापक और गहरी राजनीतिक असहमति थी। धारा 370, हिंदू कोड बिल और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर भी पं. नेहरू से उनकी पटरी कभी भी नहीं बैठ पाई। ये ही वो कारण हैं, जो अन्ततः नेहरू कैबिनेट से उनके इस्तीफा का कारण बने।

आजादी के पहले बंगाल में मुस्लिम लीग के प्रभुत्व के विरुद्ध डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जबरदस्त संघर्ष किया और देश को होने वाले नुकसान से बचा लिया। विभाजन के समय भी डॉ. मुखर्जी ने देश की जनता और नेतृत्व को आगाह किया था- ''पाकिस्तान साम्प्रदायिक समस्या का कोई हल नही हैं। इससे वह और उग्र होगी, जिसका परिणाम गृहयुद्ध होगा। हमें इससे आंखें नहीं मूंदना चाहिए कि पाकिस्तान की लालसा का स्त्रोत वस्तुतः शासन सत्ता के रूप में इस्लाम की पुनःप्रतिष्ठा करने की इच्छा है।'' 1953 में जनसंघ के पहले अधिवेशन में उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू की कश्मीर नीति का विरोध करते हुए कहा था कि एक देश में दो विधान,दो निशान, दो प्रधानकृनही चलेंगे,. नहीं चलेंगे। नेहरू-सरकार की नीति?ों से असहमत होने के बाद लोकसभा में दिया गया उनका भाषण ऐतिहासिक है। वे कहते थे- आधारभूत सत्य यह है कि हम सब एक हैं... हममें कोई अंतर नहीं है... हम एक ही रक्त के हैं, एक ही भाषा,एक ही संस्कृति और एक ही हमारी विरासत है...। विरोध के लिए विरोध और बोलने के लिए बोलना, उनके राजनीतिक आचरण से कोसों दूर था। संसदीय शिष्टाचार के वो कट्टर अनुपालक थे। उनकी आलोचनाएं रचनात्मक होती थी और सुझाव विचारपूर्ण होते थे। इसीलिए वो अपने समकालीन सांसदों में सबसे ज्यादा सम्मानित और विश्वसनीय नेता थे। राजनीति में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसै निष्काम, निस्वार्थ, निष्कपट राज-योगी का अवतरण बिरले ही होता है...।

लेखक- मप्र भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष व खजुराहो सांसद हैं

आईएएस संवर्ग में 'पदोन्नति' के आसार कम

गैर प्रशासनिक सेवा के अफसर इस बार भी रहेंगे 'गैर'!

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के गैर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को 8 वर्ष से आईएएस बनने का मौका नहीं अटका हुआ है। इस बार भी इन्हें यह अवसर मिलने के आसार नहीं है। आईएएस संवर्ग में नियुक्ति के लिए उपलब्ध सभी 7 पद राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को दिए जा रहे हैं संघ लोक सेवा आयोग को प्रस्ताव भेजने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने सीएम से अनुमोदन प्राप्त करने फाइल भेज दी है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में अंतिम बार 4 गैर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को इस संवर्ग में नियुक्ति का अवसर मिला था। इसके बाद से राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पर्याप्त उपलब्धता को आधार बनाकर गैर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अवसर नहीं दिया गया। सूत्रों का कहना है कि सरकार चाहे तो उपलब्ध पदों में से 15 प्रतिशत तक पद गैर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को दिए जा सकते हैं, लेकिन यह प्रावधान बाध्यकारी नहीं है। बताते हैं कि कमलनाथ के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल वाली प्रदेश सरकार में सामान्य प्रशासन मंत्री रहते डॉ. गोविंद सिंह ने इसकी फाइल आगे बढ़ाई थी। तब तत्कालीन मुख्य सचिव सुधिरंजन मोहंती भी सहमत थे, लेकिन अन्य अधिकारियों की असहमति के कारण अवसर नहीं मिला।

लोकसभा चुनाव के कारण पिछड़ गई प्रक्रिया सूत्रों का कहना है कि अब तक विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक कराने के लिए संघ लोक सेवा आयोग को प्रस्ताव चला जाना चाहिए था, लेकिन लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के कारण प्रक्रिया पिछड़ गई। 7 पदों के लिए 2006 और 2007 बैच के 21 अधिकारियों के नाम उनके सेवा अभिलेखों के साथ प्रस्तावित किए जाएंगे। हालांकि, कम पद होने के कारण 2007 बैच के अधिकारियों को अवसर मिलने की संभावना कम है।

4 पुलिस अधिकारियों को मिलेगा आईपीएस संवर्ग

राज्य पुलिस सेवा के 4 अधिकारियों को इस बार आईपीएस संवर्ग मिल सकता है। इसके लिए 12 अधिकारियों के नाम प्रस्तावित करने कीतैयारी है। प्रस्ताव को गृह विभाग के माध्यम से संघ लोक सेवा आयोग को भेजने की तैयारी है। राज्य वन सेवा के लिए भी एक साथ दो वर्ष के पदों पर विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक कराने की तैयारी है। इससे 24 अधिकारियों को आईएफएस मिल सकेगा।

सबसे पहले राजस्व विभाग करेगा प्रयोग

लेटलतीफ कर्मचारियों को कसने के लिए दफ्तरों में नई अटेंडेंस व्यवस्था लागू होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब सरकारी दफ्तर में लेटलतीफ कर्मचारियों पर नकेल कसने के लिये तकनीकी का सहारा लिया जाएगा। दरअसल देरी से दफ्तर आने वाले शासकीय कर्मचारियों को लेकर सरकार नाराज हैं। ऐसे कर्मचारियों को अब मोबाइल ऐप के माध्यम से जियो अटेंडेंस दर्ज करनी होगी। सबसे पहले राजस्व विभाग पटवारियों के लिए यह व्यवस्था लागू करने जा रहा है, जिसके बाद वे अपने पदस्थापना स्थल से गायब नहीं हो सकेंगे। यह व्यवस्था अन्य विभागों के जिला एवं तहसील मुख्यालयों पर भी लागू की जाएगी। बताया जाता है कि राज्य सरकार ने यह कदम इसलिए उठाया है क्योंकि कई कर्मचारी समय पर दफ्तर में उपस्थित नहीं होते हैं। कुछ कर्मचारी तो नियमित रूप से देरी से आ रहे हैं। अब ऐसे कर्मचारियों की मोबाइल बेस्ड अटेंडेंस करेंट लोकेशन के साथ दर्ज होगी। राज्य सरकार ने देरी से दफ्तर आने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए कहा है कि आदतन देर से आने और दफ्तर से जल्दी जाने वाले कर्मचारियों के मामले को संबंधित सक्षम अधिकारियों को गंभीरता से लेना चाहिए।

क्या है जियो अटेंडेंस- जियो अटेंडेंस एक स्मार्ट मॉनिटरिंग टूल है, जो कर्मचारियों की उपस्थिति को जियो-लोकेशन के साथ ट्रैक करता है और फील्ड स्टाफ के साथ-साथ ऑन-साइट सपोर्ट स्टॉफ के लिए उनकी तस्वीर के साथ टैग किया जाता है।

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग की ओपनिंग 2949 से

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जॉइंट सीट एलोकेशन अथॉरिटी (जोसा) की काउंसलिंग के प्रथम चरण का आवंटन जारी कर दिया है। परीक्षार्थी जोसा की साइट पर जाकर सीट अलॉटमेंट चेक कर सकते हैं। अपने एप्लीकेशन नंबर और पासवर्ड की मदद से स्टूडेंट्स यह चेक कर सकेंगे। इस रिजल्ट में कंप्यूटर साइंस आवंटित होते ही कैंडिडेट के चेहरे खिल उठे, कुछ डिडेट को कंप्यूटर साइंस नहीं मिलने का मलाल जरूर है, लेकिन मैथ्स एंड कंप्यूटिंग मिलने का संतोष भी है। ट्रिपल आइटी भोपाल में कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग की ओपनिंग 2949 से तो सीएस की ओपनिंग 7 हजार 414 रैंक से हुई है, वहीं क्लोजिंग 21 हजार 419 से हुई। डायरेक्टर आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि संस्थान में सीएस की 150 सीटें हैं। यहां बीटेक प्रोग्राम के सात प्रोग्राम्स में कुल 495 सीटें हैं। इनमें से 491 सीटें आवंटित की गई हैं, वहीं मैनिट के लिए 1192 सीटों का आवंटन जारी हुआ है।

मामला दैवेभो का : उच्च न्यायालय के आदेश का समय सीमा में पालन कराने की मुख्यमंत्री से मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दैनिक वेतन भोगियों के मामले में उच्च न्यायालय के आदेश को पालन करने के लिए सरकार के पास मात्र चार दिन का समय शेष है लेकिन सरकार ने अभी तक उच्च न्यायालय के आदेश 27 फरवरी 2024 को संज्ञान में नहीं लिया है जिस कारण प्रदेश के लाखों स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों में असंतोष प्राप्त हो गया है। यह बात मप्र कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र सौंपकर कही है। और आग्रह किया है कि न्यायालय के आदेश का समय सीमा में पालन किया जाए तथा स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित किया जाए। मंच के अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि उच्च न्यायालय ने दैनिक वेतन भोगी एवं स्थाई कर्मियों की सभी याचिकायो को एक करके प्रदेश के शासकीय एवं अर्थ अर्थशासकीय विभागों में कार्यरत स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठ देकर नियमित नियुक्ति देने एवं अन्य हित लाभ पुराने कर्मचारियों के समान नहीं देने के आदेश पारित किये थे। राज्य सरकार को 120 दिन की समय सीमा में उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करने का उल्लेख किया है। लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अनिल सुचारी ने कहा है कि उच्च न्यायालय का आदेश अभी तक सामान्य प्रशासन विभाग के संज्ञान में नहीं है। जबकि उच्च न्यायालय प्रशासनिक मध्यम से राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग को आदेश की प्रति पहुंच चुका है फिर भी सामान्य प्रशासन विभाग अनजान बना हुआ है। इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार आनाकानी कर रही है।

मेट्रो एंकर सीएम ने वीडियो कांफ्रेंस से जिलों के विकास कार्यों की ली जानकारी, दिए निर्देश

आंगनबाड़ियों में लगेंगी केजी-1 व केजी-2 की कक्षाएं, जिलों का रोडमैप बनेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अब सरकार आंगनबाड़ियों को मजबूत करने जा रही है। कार्यकर्ताओं को अलग से प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। जब यह प्रशिक्षण पूरा होगा तबआंगनबाड़ियों में केजी-1 व केजी-2 की कक्षाएं लगेंगी। इससे अलग प्रत्येक जिलों का रोडमैप होगा और इसी अनुरूप उनका विकास होगा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने इस संबंध में रविवार को निर्देश दिए। वह समत्व भवन से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जिलों के विकास पर चर्चा कर रहे थे। जिसमें मंत्रीमण्डल के सदस्य, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, कलेक्टर, एसपी समेत अन्य अधिकारी वर्चुअली जुड़े थे।

मुख्यमंत्री ने यह कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ किसानों, महिलाओं, गरीबों और युवाओं को पात्रतानुसार मिले। प्रधानमंत्री की फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन पर जनप्रतिनिधि व्यक्तिगत रूप से ध्यान देकर काम करें। एक जिला-एक उत्पाद योजना की मार्केटिंग हो। रोजगारपरक कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की बेहतर भूमिका रहे। जल-गंगा संवर्धन अभियान और पौधरोपण अभियान बड़े पैमाने पर चलता रहे। स्कूल चलें अभियान, कॉलेज चलें अभियान के अंतर्गत कोई भी विद्यार्थी प्रवेश से वंचित न रहे। अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रावास और आश्रमों का भी भ्रमण कर जनप्रतिनिधि व्यवस्थाएं सुधारने में सहयोग करें। सभी स्थानीय निकायों के कार्यालय नियमित रूप से खुलें। जन प्रतिनिधियों का जिला प्रशासन से अच्छा समन्वय हो। कानून व्यवस्था की बेहतर स्थिति के लिए समुचित प्रबंध सुनिश्चित करें। बारिश का मौसम शुरू हो चुका है इसलिए बाढ़ से बचाव संबंधी सभी उपाय पहले से ही कर लें। राजस्व संबंधी कार्यों का निराकरण शीघ्रता से करें। श्रीअन्न (कोदो-कुटकी) को बढ़ावा दें। स्कूलों, कॉलेजों में शिक्षकों की कमी दूर करें। आगामी त्योहारों पर कानून व्यवस्था की स्थिति अच्छी रहे। सांसद और विधायक आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल करते हुए ऐसी व्यवस्था बनाएं कि वे अपने कार्यालय से ही व्यक्तिगत रूप से वीडियो कांफ्रेंसिंग कर सकें।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 23 जून 2024 epaper.dopaharmetro.com

एक बत्तख का दिलकश फसाना, मौज-मस्ती से लेकर क्वैकचैट तक

■ शिव शरण शुक्ला

कार्टून किरदार डोनाल्ड डक से कार्टून देखने वाला भला कौन-सा बच्चा परिचित नहीं होगा? जब टेलीविजन आया, तो हर रविवार मिकी माउस के साथ जिस कार्टून चरित्र का सबसे ज्यादा इंतजार रहता था, वह था डोनाल्ड डक। लेकिन क्या आपको पता है कि आपका प्यारा डोनाल्ड डक 90 साल का हो गया है? लेकिन वह बूढ़ा नहीं हुआ। आपको यह जानकर भी आश्चर्य होगा कि डोनाल्ड डक पहली बार सहायक चरित्र के रूप में एक कार्टून फिल्म द वाइज लिटल हेन में दिखा था। लेकिन इस पात्र को लोगों ने इस कदर पसंद किया कि वह जल्द ही मुख्य भूमिका में आ गया। वर्ष 1934 में फिल्मी पर्दे पर अपनी उपस्थिति के कुछ वर्षों के भीतर ही डोनाल्ड डक तत्कालीन महान अभिनेत्रियों शर्ली टेंपल या ग्रेटा गार्बो के बराबर का सितारा माने जाने लगा था। उसकी लोकप्रियता डिज्नी की 1939 की एनिमेटेड लघु फिल्म द ऑटोग्राफ हाउंड में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जिसमें उस वक्त के हॉलीवुड की ए-सूची के अभिनेता ने डोनाल्ड का ऑटोग्राफ लेने के लिए अपने स्टूडियो में फिल्म की शूटिंग छोड़ दी थी। डोनाल्ड डक के रचयिता वाल्ट डिज्नी खुद 1940 तक डोनाल्ड डक को अपने 'अस्तबल का गेबल' कहने लगे थे। दरअसल डोनाल्ड डक की लोकप्रियता को हॉलीवुड के सुपरस्टार क्लार्क गेबल के साथ जोड़ा गया, जो उस समय एमजीएम स्टूडियो में सबसे बड़ा नाम था।

जब तक डोनाल्ड डक समाज के साथ अपना तालमेल बनाए रखेगा, और जब तक उस बदलती हुई दुनिया को प्रतिबिंबित करता रहेगा, जिसमें हम सब रहते हैं, तब तक इस बत्तख के हमारे जेहन से उड़कर कहीं और चले जाने का सवाल ही नहीं।

1940 के दशक में डोनाल्ड डक पूरी दुनिया के लिए आइकन बन चुके थे। यूरोप और अमेरिका में बच्चों की किताबों से लेकर द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिकी सरकार के घरेलू प्रचार तक में डोनाल्ड डक छाया रहा। डोनाल्ड को उन कार्टूनों में अभिनय करते हुए दिखाया गया, जो अमेरिकियों को युद्ध को समर्थन देने की खातिर प्रोत्साहित करने के लिए बनाए गए थे। इन लघु एनिमेशन फिल्मों में लोगों को अमेरिका के सरकारी बॉन्ड में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करने से लेकर हिटलर को सनकी तानाशाह बताकर उसका उपहास उड़ाने तक की बातें शामिल हैं। बाद वाली लघु एनिमेटेड फिल्म डेर फ्यूहरर्स फेस ने डोनाल्ड को 1943 में पहला ऑस्कर दिलाया, हालांकि जापानी लोगों के व्यंग्यात्मक चित्रण के कारण उसकी तबसे काफी आलोचना होती रही है। डोनाल्ड डक आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना वह बीसवीं सदी के मध्य में था। मीडिया शोधकर्ता क्रिस रोजेक ने मशहूर हस्तियों के वर्गीकरण में डोनाल्ड डक का भी उदाहरण दिया है। डक एक आदर्श मशहूर हस्ती का प्रतिनिधित्व करता है, जो एक काल्पनिक किरदार है और %लोकप्रिय संस्कृति (पॉपुलर कल्चर) की एक संस्थागत विशेषता है।% डिज्नी के अन्य किरदारों के विपरीत डोनाल्ड की कहानियां वर्तमान में घटित होती हैं और दर्शकों एवं पाठकों के लिए समकालीन होती हैं। महिला किरदारों के साथ उसके रिश्ते में यह बात साफ झलकती है।

डोनाल्ड के प्रारंभिक दिनों में महिला किरदारों को अक्सर सुंदरता, घरेलूपन और पितृसत्ता की अधीनता को दर्शाने तक ही सीमित रखा जाता था, जो दुनिया भर की महिलाओं के अनुभवों को दर्शाता था। उदाहरण के लिए, डेजी डक को मूल रूप से कभी भी अपनी नौकरी करते हुए या किसी कॅरिअर में नहीं दिखाया गया है, इसके विपरीत डोनाल्ड डक को कई तरह के रोजगार में दिखाया गया है, जिनमें निजी जासूस, डाक कर्मचारी और सेल्समैन सहित कई नौकरियां शामिल हैं। हालांकि हाल के वर्षों में आधुनिक दुनिया को प्रतिबिंबित करने के लिए महिला पात्रों का विकास हुआ है। इसमें डोनाल्ड की बहन डेला डक जैसे पात्रों को पहली बार कथानक में उपस्थित करना भी शामिल है। डेला एक कुशल पायलट है, जिसे अक्सर एक्शन दृश्यों के बीच में देखा जा सकता है और कॉमिक बुक सीरीज डकटेल्स (2018) के कथानक के साथ-साथ इसी नाम से बने टेलीविजन शो के लिए भी वह एक अनिवार्य किरदार है। इन कहानियों में डेला डक, डेजी डक और अन्य महिला किरदारों के पास एजेंसी है और वे मुख्य पात्र हैं और महज पुरुष पात्रों का समर्थन करने के लिए नहीं हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि डोनाल्ड डक सुदूर आकाशगंगा (दूसरी दुनिया) से आने वाले एलियन या 'एक समय की बात है' जैसी कहानियों के राजकुमार या राजकुमारियों की तुलना में ज्यादा भरोसेमंद किरदार है। इसकी वजह यह है कि डोनाल्ड या उसके दोस्त रोजमर्रा की उन्हीं चुनौतियों का सामना करते हैं, जिनसे हम दो-चार होते हैं और वे उन्हीं खुशियों का आनंद लेते हैं, जिनकी अनुभूति हमें होती है। उन्हें भी हमारी तरह ट्रैफिक जाम, नौकरी से असंतुष्टि का सामना करना पड़ता है और उन्हें भी हमारी तरह समुद्री इलाके में छुट्टी मनाना या उत्सव या समारोह में परिवार के लोगों के साथ मिलना-जुलना या इसी तरह की चीजें अच्छी लगती हैं। इसलिए डोनाल्ड जिस स्थिति में खुद को पाता है, दर्शकों के लिए उसके साथ सहानुभूति रखना, उसे पहचानना और उसकी भावनाओं को समझना मुश्किल नहीं लगता है। दर्शक उसके दुख-सुख के साथ अपने जीवन की घटनाओं को जोड़ने लगते हैं। पिछले 90 वर्षों से दर्शकों के साथ डोनाल्ड के अनुभवों का यही जुड़ाव इसकी सफलता और लोकप्रियता का महत्वपूर्ण कारण रहा है। डोनाल्ड डक के किरदार के लिए प्रासंगिक कुंठाएं उसकी कहानियों के महत्वपूर्ण विषय रहे हैं। 1930, 1940 और 1950 के दशक में जिन एनिमेटेड लघु फिल्मों में डोनाल्ड ने अभिनय किया था, उनमें डोनाल्ड ने रेडियो और टेलीविजन के तकनीकी विकास का आनंद उठाया। और डकटेल्स में उसके सबसे हालिया एनिमेडेट प्रदर्शन में डोनाल्ड के किरदार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म क्वैकचैट का उपयोग करते हुए दिखाया गया है, जो निश्चित रूप से स्नैपचैट की नकल है।

डोनाल्ड डक पूरी दुनिया में हमेशा से लोकप्रिय है, क्योंकि वह आम आदमी की तरह है, हर कोई उसे अपने निजी सुख-दुख से जोड़कर देखता है। दुनिया भर के लोग आज भी उससे अपना जुड़ाव महसूस करते हैं और जीवन की कठिनाइयों के प्रति गुस्से में उसके नखरे को देखकर उस पर हंसते हैं। वह हमें अपनी कुंठाओं को 'द सिम्पसन' के होमर सिम्पसन या 'फैमिली गाय' के पीटर ग्रीफिन जैसे वयस्क कार्टून के सितारों के साथ तुलनात्मक रूप से प्रस्तुत करने का एक तरीका प्रदान करता है। जब तक डोनाल्ड डक समाज के साथ अपना तालमेल बनाए रखेगा, और जब तक उस बदलती हुई दुनिया को प्रतिबिंबित करता रहेगा, जिसमें हम सब रहते हैं, तब तक इस डक (बत्तख) के हमारे जेहन से उड़कर कहीं और चले जाने की कोई आशंका नहीं है।

– साभार

सिर्फ आसन-प्राणायाम मात्र ही नहीं है योग

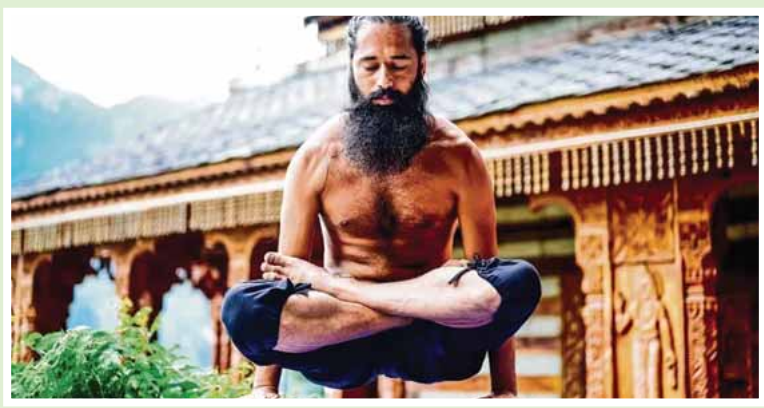

■ अरुण नैथानी

योग महज शारीरिक कसरत ही नहीं है, उसके लिये संयमित व पवित्र जीवन शैली अपरिहार्य है। पतंजलि ऋषि ने योग के जो प्रमुख आठ अंग बताये हैं, उनके अंगीकार से ही योग की उच्चतर साधना संभव है। इन सैद्धांतिक बातों का अनुपालन ही योग का पूर्ण लाभ देता है। इन आठ अंगों में पांच बहिरंग साधन हैं- यम, नियम, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार। वहीं धारणा, ध्यान व समाधि योग के अंतरंग साधन है, जिसके जरिये योगी योग के वास्तविक लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।जीवन की वे सामान्य सैद्धांतिक बातें, जिसका समाज में हर व्यक्ति को पालन करना चाहिए वे यम के अंतर्गत आती हैं। मसलन दैनिक जीवन में सत्य, अहिंसा,अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह। अस्तेय मतलब किसी दूसरे की वस्तु का हरण न करना, वहीं अपरिग्रह यानी अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तुओं व संपदा का संग्रह न करना। इसी तरह पांच नियम बताए गये हैं- शौच यानी शुद्धता, संतोष, तप यानी निष्काम भाव से स्वधर्म का पालन करना, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान यानी अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने आराध्य को देना। तीसरे अंग के रूप में आसन , चौथे के रूप में प्राणायाम यानी प्राणों का आयाम तथा प्रत्याहार यानी इंद्रियों को विषयों से हटाकर अंतर्मुखी करना। दूसरी ओर गंभीर साधकों के लिये अतरंग साधन के रूप में धारणा, ध्यान व समाधि को साधा जा सकता है।रअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव आम सहमति से पारित होने के बाद सबसे बड़े दिन 21 जून को विश्व योग दिवस मनाने का निर्णय हुआ। आज योग की दुनिया 21 जून 2015 को पहला योग दिवस मनाने के बाद बहुत आगे निकल चुकी है। अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिलने के बाद धर्म व क्षेत्र की संकीर्ण दीवारें ढह चुकी हैं। लेकिन योग को महज आसनों की कसरत समझ लिया जाता है।

सांसारिक वृत्तियों से मुक्ति पानाः दरअसल, योग के आठ अंगों को मिलाकर ही अष्टांग योग का अस्तित्व सामने आता है। योग का अर्थ है कि मन को संयमित करके सांसारिक वृत्तियों से मुक्ति पाना। हम हजारों वर्ष पहले महर्षि पतंजलि द्वारा बताए आठ अंगों को ही अष्टांग योग कहते हैं। आम बोलचाल में आसन, प्राणायाम व ध्यान को ही योग मान लिया जाता है। योग का पहला अंग यम आपने पांच सिद्धांतों के जरिये संयमित व मर्यादित जीवन पर बल देता है। इसके पांच अंगों में पहले अहिंसा का मतलब है कि हम मन-वचन-कर्म के जरिये किसी जीवमात्र को कष्ट न पहुंचाएं। सत्य का मतलब असत्य से परे सच का ज्ञान होना। अस्तेय के मायने, दूसरे की वस्तु पर नजर न रखना। ब्रह्मचर्य यानी चेतना को ब्रह्मतत्व में एकाकार रखना। अपरिग्रह यानी संचय का अभाव।

आसन से उन्नत आयामः इसी तरह नियम के भी पांच भाग हैं। शौच यानी बाह्य व आंतरिक शुचिता। संतोष जो मिला उसमें खुश रहें, तप यानी देह को तपाकर अशुद्धि दूर करना। इसी तरह आत्मा-परमात्मा को जानने के लिये लिए धार्मिक-आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करके दृष्टि को पवित्र करना। वहीं जीवन में जो कुछ मिले उसका श्रेय परमात्मा को देना ईश्वर प्रणिधान है। यानी व्यक्ति के अहंकार का त्याग। लेकिन हम आजकल योग के तीसरे अंग आसन का ही मुखर प्राकट्य देखते हैं। ध्यान रहे कि आसन महज शारीरिक व्यायाम नहीं है। इसमें शरीर को कष्ट नहीं देना है। जैसा कि महर्षि पतंजलि कहते भी हैं- 'स्थिरं सुखम् आसन।' सही मायनों में शरीर की चंचलता खत्म करके सहजता का भाव स्थिर करना आसन का मकसद है। जिससे मन आनंदित रहे। ताकि शरीर को प्राणायाम व ध्यान के लिये तैयार किया जा सके। वहीं प्राणायाम का योग में बेहद महत्व है। प्राणायाम यानी प्राणों को नियमन। शरीर की सूक्ष्म प्राण शक्ति का नियमन। सांसों के प्रति सजगता बनाना। दरअसल, योगी सांसों के नियमन से अपने तन-मन को साधते हैं। योग ग्रंथों में कहा गया है- 'चले वाते, चलं चित्तं' यानी तेज गति से चलती सांसे हमारे चित्त यानी मन को विचलित करती हैं। वहीं दूसरी यदि हम सांसों का नियमन कर सके तो मन शांत हो जाता है। हमारे धर्मगुरुओं ने सांसों के जरिये आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का प्रयास किया है।

नियमन व त्राटक से हासिल 'धारणा': दरअसल,योगी सांसों के नियमन से हम अपनी पांचों ज्ञानेंद्रियों व पांच कर्मेन्द्रियों व मन पर नियंत्रण रख पाते हैं। इसी तरह प्रत्याहार का अभिप्राय-विषय-भोगों के मोह से मुक्त होना ही है। दूसरे शब्दों की इंद्रियों लिप्साओं से मुक्ति से हम अपनी ऊर्जा को बचा पाते हैं, यही प्रत्याहार है। इसी तरह चित्त की एकाग्रता धारणा है। योगी लोग सांसों के नियमन व त्राटक से 'धारणा' हासिल करते हैं। कह सकते हैं मन में विचारों के सैलाब को नियंत्रित करके शांति पाना। इस तरह धारणा को साधने के बाद ध्यान लगाने का मार्ग प्रशस्त होता है। ध्यान अवस्था यानी सांसारिकता से परे शून्यता जैसी घटना का घटित होना। अंततः विरले योगियों को हासिल होने वाली जीवात्मा और परमात्मा की समता की विशेष अवस्था ही समाधि कहलाती है। यानी कि सत् चित् आनंद की अवस्था में पहुंचना। जिसे विभिन्न धर्मों में निर्वाण व कैवल्य की स्थिति भी कहा जाता है।

राजनीति पहले जैसी शालीन नहीं हो सकती, ऐसे में काबिलेगौर है ओडिशा की मिसाल

■ बलबीर पुंज

लोकसभा-विधानसभा चुनाव की गहमागहमी में एक महत्वपूर्ण घटना की जाने-अनजाने में अनदेखी जैसी हो गई। ओडिशा में 24 वर्ष बाद सत्ता परिवर्तन हुआ है। वहां भाजपा पहली बार बीजू जनता दल (बीजेडी) को परास्त करके अपने बल पर सरकार बनाने में सफल हुई है। जब 12 जून को शपथ ग्रहण समारोह हुआ, तब न केवल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और मुख्य विपक्षी दल बीजेडी के मुखिया नवीन पटनायक शामिल हुए, बल्कि भाजपा नेतृत्व ने उन्हें मंच पर भी स्थान दिया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित भाजपा के शीर्ष नेता पटनायक से सहज होकर मिले।इतना ही नहीं, चुनाव के बाद ओडिशा में राजनीतिक हिंसा की भी कोई खबर नहीं आई। यह सब इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि ओडिशा के पड़ोस पश्चिम बंगाल में भाजपा समर्थकों और भाजपा के पक्ष में मत करने वाले को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कोपभाजन का शिकार होना पड़ रहा है। इसका संज्ञान लेते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भी ममता सरकार पर कड़ी टिप्पणी की है। आखिर भारतीय राजनीति में राजनीतिक-वैचारिक विरोधी को प्रतिद्वंद्वी के बजाय शत्रु मानने की विकृति कहां से आई?

स्वतंत्रता से पहले भी विभिन्न राजनीतिज्ञों में मतभिन्नता थी। परंतु वे एक-दूसरे का सम्मान करते थे। एक ही ध्वज के तले संवाद होता था। कुछ पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि एक समय कांग्रेस, हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग भी मिलकर काम कर चुके थे। तीन बार कांग्रेस के अध्यक्ष रहे 'भारत-रत्न' पंडित मदन मोहन मालवीय ने न केवल वर्ष 1915 में अखिल भारतीय हिंदू महासभा की स्थापना की, बल्कि कांग्रेस में सक्रिय रहते हुए हिंदू महासभा के पांच विशेष सत्रों की अध्यक्षता भी की। इसी तरह गांधीजी वीर सावरकर को 'भाई' कहकर संबोधित करते थे, तो वह संघ के अनुशासन से प्रभावित थे। आचार-विचार में मतभेद होने के बाद नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 6 जुलाई, 1944 में गांधीजी की प्रशंसा करते हुए उन्हें पहली बार 'राष्ट्रपिता' की संज्ञा दी थी। भारतीय जनसंघ (अब भाजपा) के सह-संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी और संविधान-निर्माता डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर, दोनों कांग्रेस विरोधी थे। स्वतंत्रता से पहले डॉ. श्यामाप्रसाद हिंदू महासभा, तो डॉ. आंबेडकर अनुसूचित जाति संघ के नेता थे। परंतु गांधीजी की सलाह पर इन दोनों गैर-कांग्रेसी नेताओं के साथ पैंथिक पार्टी के बलदेव सिंह, जस्टिस पार्टी के आर. के. षण्मुखम चेट्टी को भी स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। संभवत-यह स्वतंत्र भारत की पहली गठबंधन सरकार थी।

स्वतंत्रता पश्चात प्रारंभिक वर्षों में भी राजनीतिक शालीनता और शुचिता तुलनात्मक रूप से ऐसी ही थी। यह प्रतिरोधी विचारधाराओं के ध्वजवाहक पं. नेहरू द्वारा अटलजी के प्रधानमंत्री बनने की 'भविष्यवाणी' और वाजपेयी द्वारा नेहरू के निधन पर व्यक्त भावुक श्रद्धांजलि देने तक में स्पष्ट है। वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध में संघ की निस्वार्थ राष्ट्र सेवा देखने और पूर्वाग्रह के बादल छंटने के बाद 1963 में गणतंत्र दिवस परेड में पं. नेहरू द्वारा आरएसएस को आमंत्रित करने, 1965 में पाकिस्तान से युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के आमंत्रण पर संघ के तत्कालीन सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के सामरिक बैठक में पहुंचने, मई, 1970 और मई, 1980 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा वीर सावरकर के सम्मान में डाक-टिकट जारी करते हुए स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान की प्रशंसा करने, 1973 में गुरुजी के निधन पर इंदिरा गांधी द्वारा शोक प्रकट करते हुए उन्हें राष्ट्र-जीवन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला विद्वान और प्रभावशाली व्यक्ति बताने और संघ की शाखाओं में प्रात-स्मरण में गांधीजी को स्थान देने आदि से भी यह वातावरण परिलक्षित होता है।

भारतीय सनातन संस्कृति में हजारों वर्षों से संवाद और असहमति को स्वीकार करने की परंपरा रही है। लाखों-करोड़ों हिंदू गौतम बुद्ध को श्रीराम-श्रीकृष्ण की भांति भगवान विष्णु का अवतार मानते है। इस पृष्ठभूमि में बाकी धार्मिक धाराओं का यथार्थ सर्वविदित है। भारत में राजनीतिक-वैचारिक विरोधियों को दुश्मन जैसा मानने का चलन वामपंथ की प्रणाली से प्रारंभ हुआ। हिंसा और असहमति रखने वालों के प्रति असहिष्णु होना-इसके केंद्र में है। दशकों से वामपंथ के गिरफ्त रहा प. बंगाल और केरल राजनीतिक रक्तपात, दूसरे विचार के प्रति असहिष्णुता और विरोधियों की हत्याओं के मामले में सर्वाधिक दागदार है।

अविभाजित भारत में वामपंथ की राजनीतिक इकाई का उदय 26 दिसंबर, 1925 में हुआ था। भले ही इस असहिष्णु दर्शन ने कालांतर में 'भारत छोड़ो आंदोलन' में ब्रितानियों के लिए मुखबिरी की, गांधीजी-नेताजी के लिए अपशब्द कहे, पाकिस्तान के जन्म में दाई की भूमिका निभाई, भारतीय स्वतंत्रता को अस्वीकार किया, भारत को 17 देशों का समूह बताया , 1948 में भारतीय सेना के खिलाफ हैदराबाद के जिहादी रजाकरों को पूरी मदद दी, 1962 की लड़ाई में चीन का समर्थन किया, इसके बावजूद वामपंथ से देश की मुख्यधारा की राजनीतिक शुचिता अप्रभावित रही। लेकिन जब 1969-71 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिए वामपंथियों का समर्थन लिया, तो यह राष्ट्रीय मुख्यधारा का हिस्सा बन गया। इससे कांग्रेस का राजनीतिक चरित्र तक बदला। कांग्रेस द्वारा देश पर आपातकाल थोपकर हजारों विरोधियों को जेल में ठूंसना-इस घालमेल का प्रारंभिक लक्षण था।

यह स्वभाव वर्ष 2004 में मणिशंकर अय्यर द्वारा बतौर मंत्री अंडमान-निकोबार की जेल से सावरकर के विचारों को हटाने से लेकर अब तक स्वघोषित सेक्यूलरवादियों द्वारा भाजपा-संघ-मोदी के नाम पर अक्सर गरियाने और मुखर घृणा भाव दिखाने आदि की शक्ल में जारी है। दलों और नेताओं के बीच सहज सौहार्द और शालीनता के उदाहरण बिरले हो चले हैं। इस पृष्ठभूमि में ओडिशा के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान जो कुछ घटित हुआ, वह सूरज की तपिश में शीतल हवा की भांति है। यह घटनाक्रम निस्संदेह, भारतीय लोकतंत्र के हृष्ट-पुष्ट स्वास्थ्य को दर्शाता है।

भगवान जगन्नाथ हुए बीमार, ठीक होने पर करेंगे नगर भ्रमण

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर पंचामृत से कराया गया स्नान

नर्मदापुरम। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ को जगदीश मंदिर में 51 किलो के पंचामृत से स्नान कराया गया. इस पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ अस्वस्थ हो जाते हैं. गर्भगृह में रखकर 15 दिनों तक उनका औषधीय से उपचार किया जाता है. स्वस्थ होने के उपरांत वह नगर के भ्रमण पर प्रजा का हाल जानने के लिए निकलेंगे. इस दौरान उनके साथ भाई बलदाऊ एवं बहन सुभद्रा भी होंगे। 7 जुलाई से प्रारंभ 10 दिवसीय भ्रमण यात्रा नगर के कई स्थानों पर रात्रि विश्राम करेगी. इस यात्रा में अनेक स्थानों से आने वाले सैकड़ो की तादाद में साधु संत शामिल होंगे. गाजे बाजे के साथ धूमधाम से नगर में निकलने वाली इस यात्रा का नागरिकों को साल भर से इंतजार रहता है।

नर्मदापुरम। मढ़ई के जंगलों में पर्यटकों को तीन बच्चों के साथ बाघिन दिखाई दी. पर्यटकों ने इस नजारे को कमरे में कैद किया. सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक एल कृष्णमूर्ति के अनुसार बाघिन के साथ जो बच्चे हैं उनकी उम्र करीब 8-9 महीने की है।

किसानों के लिए कृषि यंत्रों पर अनुदान आवेदन ऑनलाइन के पोर्टल खुले

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

19 जून से 26 जून 2024 तक कृषि यंत्र रोटावेटर एवं सीड कम फ़र्टिलाइज़र ड्रिलजीरो टिल सीड / मल्टीक्रोप प्लान्टर / रिजफरो प्लान्टर / रेज्ड बेड प्लान्टर / कम फर्टीलाइजर ड्रिल के आवेदन पोर्टल पर आमंत्रित किये गए है। प्राप्त आवेदनों के आधार पर दिनांक 27 जून 2024 को लॉटरी निकाली जाएगी। बताया गया कि कृषक आवेदन के साथ कृषक स्वयं के बैंक खाते से निम्नलिखित राशि का डिमांड ड्राफ्ट (डीडी (सहायक कृषि यंत्री नर्मदापुरम के नाम से बनवाकर जमा करना होगा। धरोहर राशि के बिना आवेदन मान्य नहीं किया जायेगा। सहायक कृषि यंत्री ने बताया कि कृषि यंत्र रोटावेटर हेतु राशि रु.5000/- का डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) कृषकों को लगानी होगी साथ ही बताया गया कि कृषि यंत्र सीड कम फर्टिलाइज़र ड्रिलमल्टीक्रॉप / रिजफरो प्लान्टर रेज्ड बेड प्लान्टर / जीरो टिल सीड कम फर्टीलाइनर ड्रिल / प्लान्टर हेतु राशि रु 2,000/- का डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) लगानी होगी।

सहायक कृषि यंत्री ने बताया कि माँग अनुसार श्रेणी के यंत्रों हेतु भी आवेदन सामान्य प्रक्रिया अनुसार ही किये जाने होंगे। इन यंत्रों हेतु पृथक से लक्ष्य जारी नहीं किये जायेंगे। साथ ही इस श्रेणी अंतर्गत चिन्हित यंत्रों के लिए प्राप्त आवेदनों हेतु लॉटरी नहीं की जायेगी तथा उपलब्ध बजट के आधार पर संचालनालय स्तर से आवेदनों को अनुमोदित किया जायेगा। अनुमोदित होने पर कृषक का आवेदन पोर्टल पर चयनित कृषकों की सूची में प्रदर्शित किया जायेगा। अनुमोदन की सूचना कृषक को एसएमएस के माध्यम से दी जायेगी। तथा इस श्रेणी के अंतर्गत अनुमोदित आवेदनों में डीलर चयन तथा आगे की समस्त प्रक्रियाएं तथा समयावधि, लॉटरी उपरांत चयनित कृषकों की प्रक्रिया के सामान ही रहेगी। कृषकों को कृषि यंत्रों की मांग को जिस श्रेणी में रखा गया है वे है हैप्पी सीडर सुपर सीडर , पैडी ट्रांसप्लांटर (राइस), ब्रोड बेड फरो प्लांटर, न्यूमेटिक प्लांट, स्वचालित टूल बार- राइड ओन टाइप रहेंगे। इच्छुक कृषक निर्धारित धरोहर राशि रु.5000/- का डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) बनवाकर इस श्रेणी के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मटकुली देनवा रिसोर्ट में होमस्टे पर कार्यशाला

पर्यटकों को होमस्टे में घर जैसा माहौल और स्वादिष्ट व्यंजन...

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिले में पर्यटन को लेकर अपार संभावनाएं हैं ओर जिले में कई पर्यटन स्थलों की वजह से यहां पर्यटकों की जमकर आवाजाही बनी रहती है पर्यटकों के लिए सुविधाओं को देखते हुए साथ ही स्थानीय वातावरण का माहौल देने हेतु शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को आकर्षित करने नए आयाम दिए जा रहे है। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड जिला प्रशासन के सहयोग से लगातार गतिविधियों को करता चला आ रहा है। इसी तारतम्य में होमस्टे की कार्यशाला का आयोजन जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, नर्मदापुरम के सहयोग से ग्राम मटकुली के देनवा रिसोर्ट में 12.30 से 3.30 बजे तक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ज्वाइन डायरेक्टर प्रशान्त सिन्हा द्वारा वर्तमान परिदृश्य में होमस्टे पंजीयन योजना की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए होमस्टे संबंधी विभिन्न योजनाओं के संबंध में निजी क्षेत्र के हितधारकों को योजना के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नवीन अवसर की जानकारी दी गई ।

बताया गया कि मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड, भोपाल द्वारा प्रदेश में पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति परम्पराओं एवं खानपान का अनुभव कराने एवं ठहरने के लिए स्वच्छ एवं आरामदायक आवास उपलब्ध कराने, निजी क्षेत्र की सहभागिता से आवासीय कक्षों की सख्या में वृद्धि करवाने एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करने के उद्देश्य से रिस्पॉसिबल टूरिज्म मिशन अंतर्गत होमस्टे पंजीयन संबंधी 04 योजनाओं मध्यप्रदेश होमस्टे योजना 2010 (संशोधित 2018), मध्यप्रदेश बेड एवं ब्रेकफास्ट स्थापना (पंजीयन एवं नियमन) योजना 2019, मध्यप्रदेश ग्रामस्टे स्थापना (पंजीयन तथा नियमन) योजना 2019 एवं मध्यप्रदेश फार्मस्टे स्थापना (पंजीयन तथा नियमन) योजना 2019 को लागू किया गया है।

होमस्टे कार्यशाला कार्यक्रम के दौरान प्रियंका सिन्हा द्वारा बताया गया कि होमस्टे योजनाओं में पंजीकरण के माध्यम से गृह स्वामियों को अपने घर के अतिरिक्त कमरे, दूसरे रिक्त पड़े भवन, फार्म हाउस एवं ग्राम के निवास को पंजीकृत करने का सुनहरा अवसर प्राप्त होता है. जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है. इसके साथ ही देश विदेश के पर्यटकों के साथ मिलने एवं परस्पर विभिन्न सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अवसर प्राप्त होते हैं।

कार्यशाला में ऐसे हितधारक भी शामिल हुए जो अतिरिक्त भवन कक्ष को पर्यटकों हेतु उपलब्ध कराना चाहते थे। इसके अतिरिक्त कार्यशाला में स्थानीय होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधि, मटकुली/नर्मदापुरम के गणमान्य नागरिकों, व्यवसायियों एवं क्षेत्र में कार्यरत शासकीय अधिकारियों/कर्मचारियों को शामिल किया गया। इस कार्यशाला में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल के प्रतिनिधियों द्वारा होमस्टे योजनाओं के नवीन पंजीयन के संबंध में जानकारी भी प्रदान की गई।

परिवहन मंत्री के निर्देश पर आरटीओ ने की वाहनों पर बड़ी कार्रवाई, यात्री बसों को किया जप्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप द्वारा विगत दिवस परिवहन एवं शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि कोई भी यात्री बस निर्धारित स्टापेज़ के अलावा अन्य स्थानों पर रोककर सवारी बिठाने उतारने का काम न करें. यदि कोई बस संचालक इस प्रकार के काम में लिप्त है तो तत्काल उन यात्री बसों पर कार्रवाई की जाए।

परिवहन मंत्री के निर्देश पर नर्मदापुरम का आरटीओ विभाग सक्रिय हुआ। और आरटीओ निशा चौहान के नेतृत्व में नर्मदापुरम शहर के विभिन्न मार्गो पर जांच दल द्वारा बसों के निर्धारित स्टापेज देखे गए तथा निर्धारित स्टापेज के अतिरिक्त अन्य स्थान पर रुककर सवारी बैठाने तथा उतारने वाली बसों की धरपकड़ की गई. इस कार्रवाई के दौरान 4 बसों को जप्त कर आरटीओ कार्यालय में खड़ा करवाया गया साथ ही पिपरिया में एक यात्री बस क्रमांक RJ09PA 3093 बिना परमिट तथा बिना फिटनेस के सवारी ले जाते हुए जांच दल को मिली इस बस को जप्त कर पिपरिया थाने में खड़ा किया गया. आरटीओ दल की जांच के दौरान अन्य वाहनों पर चालान कर 15000 की राशि वसूल की गई. चालानी कार्यवाही जिन वाहनों पर की गई उन वाहन संचालकों को वाहनों में किसी भी प्रकार की कमी न रखने की चेतावनी दी गई. आरटीओ निशा चौहान का कहना है कि किसी भी बस को निर्धारित स्थान पर न रोककर अन्यत्र स्थान पर रुकता हुआ पाया गया तो ऐसे वाहनों पर सख्ती के साथ कार्यवाही कर परमिट निरस्त तथा चालानी कार्यवाही की जाएगी।

शहर में वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए स्कूल संचालकों, व्यापारियों से मांगा समर्थन

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

भूमिगत जल के संरक्षण और संवर्धन के लिए विधायक डॉ सीतासरन शर्मा द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को रेस्ट हाउस में स्कूल संचालकों एवं व्यापारियों के साथ विधायक डॉ शर्मा और नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में बडी संख्या में स्कूल संचालक और व्यापारी शामिल हुए। विधायक डॉ शर्मा ने सभी से अपने अपने परिसरों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए समर्थन मांगा और कहा कि सभी 15 जुलाई तक इसे लगाए। बैठक में विधायक डॉ शर्मा ने कहा कि 15 जुलाई के बाद पौधरोपण के लिए भी अभियान चलाया जाएगा। इन स्कूलों में लगा है वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम- जीनियस प्लानेट स्कूल ग्रीन पाइंट स्कूल ,एसव्हीएम स्कूल एप्पल ट्री स्कूल, प्रज्ञान स्कूल,कान्वेंट स्कूल ।

इन स्कूलों ने दी सहमति-

बैठक में महावीर स्कूल, बचपन, रैनबो स्कूल, सन अकादमी, बालक ध्रुव स्कूल, आनंद पब्लिक स्कूल, डीपीपीएम स्कूल, ट्रिनिटी स्कूल, टीआरएम स्कूल, आर्दश स्कूल, स्मृति स्कूल, डीपीएस स्कूल सहित अन्य स्कूलों ने सहमति दी।

मेट्रो एंकर

मंत्री ने किया श्रीअन्न संवर्धन अभियान का शुभारंभ

प्रदेश के पारंपरिक कृषि उत्पादों में श्रीअन्न का विशेष स्थान रहा, मिलेट्स प्रदर्शनी की भरपूर सराहना

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

अंतर्राष्ट्रय योग दिवस के अवसर पर सेठानी घाट नर्मदापुरम में प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने श्री अन्न संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि कृषि विभाग द्वारा श्री अन्न/मिलेट्स और श्री अन्न से निर्मित व्यंजनों तथा कोदो कुटकी के उन्नत किस्मों के प्रामाणित बीज की प्रदर्शनी लगाई गई थी।

उल्लेखनीय है कि कोदो, कुटकी, ज्वार, रागी आदि अनाज को सुपरफूड, मिलेटस, गोटा अनाज श्री अन्य के नाम से जाना जाता है। श्री अन्य उत्पादक कृषकों की क्षमता संवर्धन कोदो, कुटकी की विशिष्ट पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग गतिविधियों के माध्यम से बेहतर विपणन व्यवस्था उपलब्ध कराते हुए उत्पादक कृषकों को फसल का उचित मूल्य दिलाने व श्री अन्न को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए रानी दुर्गावती श्री अन्य प्रोत्साहन योजना का शुभारंभ मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा किया गया है। मंत्री राव ने श्री अन्य मिलेट्स की प्रदर्शनी की भरपूर सराहना की। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के पारंपरिक कृषि उत्पादों में श्रीअन्न का विशेष स्थान रहा है। प्रचुर मात्रा में पोषक तत्वों से युक्त एवं ग्लूटेन मुक्त होने से श्री अन्न के प्रति वैश्विक रुझान उत्पन्न हुआ है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय गिलेट वर्ष घोषित किया गया है। राष्ट्रीय अर्न्तराष्ट्रीय बाजारों में श्रीअन्न से निर्मित उत्पादो की मांग में सतत वृद्धि से प्रदेश के किसानों की आय में वृद्धि एवं श्री अन्न के विपणन क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं परिलक्षित हो रही हैं।

प्रदेश में श्री अन्न उत्पादन में संलग्न कृषको कृषक उत्पादन संगठन / समूह को राज्य स्तरीय महासंघ के रूप में संगठित कर नवीन तकनीकी के उपयोग से श्री अन्न विशेषकर कोदो कुटकी एवं उसके प्रसंस्कृत उत्पादों को राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान स्थापित कराने के उद्देश्य से किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से योजना चलाई जा रही है। किसानों को कोदो, कुटकी, ज्वार, एवं रागी के उन्नत प्रमाणित बीज शासकीय एवं सहकारी संस्थाओं के द्वारा प्रदान किया जाएंगे जिस पर 80 प्रतिशत वस्तु अनुदान होगा।

आज की शाम बाबा श्याम के नाम अलौकिक श्रृंगार के साथ 56 भोग का होगा आयोजन

सिवनी मालवा। नगर के श्याम प्रेमियों के लिए आज की शाम बडी ही उत्सव और आनंद बाली है। आज 23 जून दिन रविवार को पवित्र धर्मस्थल दूधियावड में श्याम कीर्तन का आयोजन रखा गया है श्री श्याम बाबा को रिझाने के लिए इटारसी से हार्दिक राठी एवं जयपुर से अभिषेक नामा द्वारा अपने सुप्रसिद्ध भजनों की प्रस्तुति देंगे वही बाबा श्री श्याम का अलौकिक श्रृंगार कर 56 भोग का आयोजन रखा गया है। बाबा के भक्तों द्वारा सभी श्याम प्रेमियों से निवेदन है कि बाबा श्याम के कीर्तन में सहपरिवार अवश्य पधारे एवं धर्म का लाभ ले।

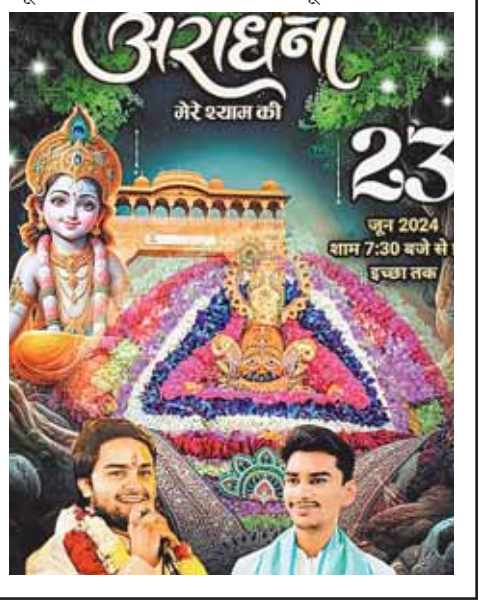

वन अमले द्वारा की गई बड़ी कार्रवाई

वन भूमि में जप्त किया ट्रैक्टर और बीज बुवाई की मशीन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गस्ती के दौरान वन कक्ष क्रमांक 360 बीट मुरारिया से अवैध जुताई एवं बीज बुआई करते हुए लाल रंग का मेसी ट्रैक्टर जप्त कर वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। आज सुबह लगभग 5:30 बजे वन अमले को गस्त के दौरान बीट मुरारिया के कक्ष क्रमांक 360 में दूर से एक ट्रैक्टर चलते हुए दिखा वन अमले द्वारा मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टर को रोक लिया गया ट्रैक्टर सीड ड्रिल (बीज बुवाई की मशीन) सहित सोयाबीन बीज की बुवाई करते हुए मौके पर पाया गया ट्रैक्टर चालक से पूछताछ की गई एवं एवं घटना स्थल निरीक्षण के दौरान ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर पर बैठकर ट्रैक्टर को चालू कर तेजी से भगाकर ले गया वन अमले द्वारा शासकीय वाहन से उसका पीछा किया गया पीछा करते हुए ट्रैक्टर चालक द्वारा एक खोड़े में ट्रैक्टर को रख दिया। वन अमले द्वारा गंभीर स्थिति को देखते हुए उत्तर एवं रेंज दक्षिण से और वन अमले को बुलाया गया और तत्काल थाना मुरवास पुलिस को सहयोग हेतु इसकी सूचना दी गई। पूछताछ के दौरान अतिक्रामक ने अपना नाम कल्लू भिकखा खांन और षफीक खांन, कल्लू खांन बताया। वन अमले द्वारा पुलिस के सहयोग से वन अपराध में कारित लाल रंग के मेसी ट्रैक्टर को जप्त कर अपनी अभीरक्षा में लेकर मौका सत्यापन जांच रिपोर्ट तैयार की गई। वन अधिनियम के तहत वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध कर प्रकरण को जांच में लिया गया। रेंजर मुकेश केन द्वारा बताया गया कि वन्य प्राणी पेयजल प्रबंधन एवं वन सुरक्षा के साथ-साथ अतिक्रामकों के विरुद्ध कार्रवाई कर वन अपराध पर अंकुश लगाया जाएगा। कार्रवाई में वन अमला मौजूद रहा

दक्षिण रेंज के प्रभारी राजेंद्र सहरिया, उप वन क्षेत्रपाल अर्जुन मीणा, लाखन मीणा, मनोज मिश्र, उधम सिंह, कुलदीप श्रीवास्तव, नागेंद्र भदोरिया, दीपक भार्गव, गजराज बरोलिया, पुष्पेंद्र डामोर,संजीव शर्मा, प्रदीप श्रीवास्तव, राकेश, आशीष शर्मा, जादौन बाबू दशरथ, पर्वत, कमर मियां, रविंद्र सेन, वीरेंद्र यादव, वीर नारायण जोशी, वाहन चालक के रूप में भैया लाल यादव, संतोष विश्वकर्मा, इदरीश, हसीन, एवं अन्य वन स्टाफ।

नवीन बस स्टैंड पर हुए अवैध अतिक्रमण को नपा ने नहीं हटाया

सिरोंज। तालाब के गहरीकरण के लिए बस स्टैंड से रास्ता तो चौड़ा आगे कर दिया पर यहां जाने वाले रास्ते के मोड पर ही एक व्यक्ति के द्वारा अवैध रूप से जितनी जगह में पट्टा मिला है उससे ज्यादा जगह पर कब्जा कर रखा है। शिकायत भी सामने आ चुकी है फिर भी उसको हटाने का काम नगर पालिका परिषद के जिम्मेदारियां के द्वारा नहीं किया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि नगर पालिका के कुछ कर्मचारियों से साठ गांठ करके शासन की जगह पर अवैध रूप से कब्जा करके अस्थाई निर्माण भी कर लिया है। इसकी जानकारी होने के बाद भी कार्रवाई करने की जगह पर बढ़ावा दिया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि कार्रवाई नहीं करने के बदले में सेवा शुल्क दी जा रही है इसलिए नगर पालिका के कर्मचारी अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। ऐसे ही अतिक्रमण पैर परता है वैसे शहर में अतिक्रमण होने के कारण सभी को परेशानी होती है कई जगह तो नालियों पर भी कब्जा कर रखा है। तत्काल ध्यान नहीं देने के कारण इस तरह के हालात निर्मित होते हैं यहां भी ऐसी स्थिति बन जाएगी यदि समय रहते इसको नहीं हटाया गया तो।

इनका कहना है -

यदि ऐसा हो रहा है तो मैं जांच करवा कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करवाता हूं।

पवन शर्मा, सीएमओ।

राजस्व अधिकारी अपने स्तर पर किसी भी प्रकार की पेंडेंसी ना रखे: कलेक्टर

नजूल भूमि, भू अभिलेख और सीमांकन की लंबित शिकायतों के निराकरण पर बल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।
कलेक्टर ने शनिवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित कर उनसे कहा है कि अपने स्तर पर किसी भी प्रकार की पेंडिंग ना रखें। शासन के महत्वपूर्ण कार्यो का समय सीमा में पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित हो इसके लिए सभी राजस्व अधिकारी अपने-अपने कार्य क्षेत्रो में अन्य विभागो के माध्यम से संपादित किए जाने वाले कार्यो की ओर भी विशेष ध्यान दें ताकि अनुविभाग किसी भी मामले में पिछड ना पाए।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के आवेदनो के निराकरण मामलो में पहली बार राजस्व व जिला ए ग्रेड सूची में शामिल होने पर उन्होंने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह गति बनाए रखे। राजस्व संबंधी प्रकरणो के निराकरण में ओर तेजी लाएं ताकि जिला प्रदेश में अव्वल हो सके। कलेक्टर ने जिले को राजस्व वसूली का प्राप्त नवीन लक्ष्य बीस करोड़ की वसूली के लिए हेडवार किए जाने वाले प्रबंधो पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली के मामले में गतवर्ष 13 करोड़ को बढाकर इस वर्ष बीस करोड किया गया है अतः राजस्व वसूली, बैक रिकवरी तथा वसूली के सभी हेड का ग्रामवार प्लान तैयार किया जाए ताकि किसी भी प्रकार के अवरूद्ध उत्पन्न ना हो सकें। अति जलभराव क्षेत्रो में वर्षाकाल के दौरान आवश्यक दवाईयों का करें प्रबंध - कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि वर्षाकाल को ध्यानगत रखते हुए अति जलभराव क्षेत्रो में किसी भी प्रकार का नुकसान ना हो इसके लिए पूर्व में प्रबंध सुनिश्चित किए गए है और उनका क्रियान्वयन आवश्यकता के अनुसार अविलम्ब हो। वर्षाकाल के दौरान आवश्यक दवाईयां सहित अन्य प्रबंध पर भी उन्होंने विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री वैद्य ने आरबीसी 6(4) के प्रकरणो से संबंधित राशि पीड़ितो को शीघ्र मिले इसके लिए मांग पत्र समय पर जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएं वहीं पूर्व प्राप्त की गई राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा कराएं ताकि राजस्व कार्यालय को प्रेषित किया जा सकें।

कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों खासकर एसडीएमो से कहा है कि सीमांकन संबंधी प्रकरणो का शीघ्रतिशीघ्र हर स्तर पर निराकरण कराना सुनिश्चित करें। समय पर उक्त कार्य ना होने के कारण आवेदक सीएम हेल्पलाइन प्लेटफार्म पर शिकायते दर्ज करने लगते है अतः ऐसी स्थिति कहीं भी निर्मित ना हो का विशेष ध्यान रखें।

चरनोई भूमि का चिन्हांकन - कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि चरनोई भूमि का चिन्हांकन किया गया है। इस भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए। चरनोई भूमि पर चारा संबंधी कार्यो के लिए गौ-शालाओं को आवंटित करने की प्रक्रिया नियमानुसार क्रियान्वित की जाए। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल के दौरान गौ-वंश बाहर विचरण ना करें इसके लिए गौपालको को ततसंबंध में आवश्यक जानकारी दी जाए साथ ही आवारा विचरण करने वाले गौ-वंशो को गौशालाओं में रखने के प्रबंध सुनिश्चित कराए जाए ताकि आवागमन के दौरान कहीं भी किसी भी प्रकार की दुर्घटना गौ-वंशो के कारण ना हो पाएं।

सीएम हेल्पलाइन तहत दर्ज शिकायतों का 15 जून तक हो निराकरण - कलेक्टर ने भू अर्जन के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कराए जाने के लिए भी राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं उन्होंने सीएम हेल्पलाइन तहत दर्ज शिकायतों को 15 जून तक संतुष्टि पूर्वक निराकरण कराए जाने पर बल दिया है। इसके साथ ही एनएच से संबंधित 17 शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश भी बैठक में दिए गए हैं। उन्होंने कहा है कि सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की सूची प्राप्त कर किसानों से संवाद कर इन प्रकरणों का संतुष्टि से निराकरण कराएं बैठक में स्वामित्व योजना एवं डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण (डीसीएस) मौसम जायद वर्ष 2024-25 गिरदावरी की स्थिति के तहत जिले में क्रियान्वित कार्यों की भी समीक्षा की गई है।

सीमांकन संबंधी प्रकरणो का गति से हो समाधान

राजस्व बैठक में सीएम हेल्पलाइन (सामान्य प्रशासन, राजस्व) पीएम किसान, जायद गिरदावरी, स्वामित्व योजना, सीमांकन प्रकरण, भू-अर्जन की प्राप्त शिकायतों की गहन समीक्षा कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में की गई है। कलेक्टर श्री वैद्य ने सभी राजस्व अधिकारियों से कहा कि वे अपने मूलभूत कामो की ओर विशेष ध्यान दें। निर्वाचन प्रक्रिया समाप्ति के उपरांत अब राजस्व कार्यो में कसावट लाएं ताकि राजस्व संबंधी प्रकरणो का निराकरण तीव्र गति से हो सकें। उन्होंने सीमांकन संबंधी प्रकरणो का युद्धगति से समाधान करने पर बल दिया है साथ ही आगामी वर्षाकाल को ध्यानगत रखते हुए बाढ से बचाव के क्रियान्वित उपायो, आवश्यक सामग्री व संसाधनो का रिहर्सल कराने पर बल दिया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्रों के बांधो, तालाबो के साथ-साथ नदी नालो में जल भराव की अपडेट स्थिति से अवगत रहें ताकि कहीं जल निकासी के कार्य किए जाने है तो निचली बस्ती के लोग प्रभावित ना हो। उन्होंने बाढ के लिए कम्यूनिकेशन प्लान बनाए जाने पर जोर देते हुए कहा कि स्थानीय रहवासियों से भी सतत सम्पर्क बनाए रखें ताकि किसी भी प्रकार की घटनाएं घटित होने से पूर्व सूचनाओं की प्राप्ति हो सकें और उन्हें नियंत्रित किया जा सकें।

प्रमाण पत्र प्रदाय कर सम्मानित

सीएम हेल्पलाइन निराकरण मामलों में उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वालों को प्रमाण पत्र प्रदाय- कलेक्टर श्री वैद्य ने सीएम हेल्पलाइन के राजस्व आवेदनो के निराकरण मामलो में उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वाले एसडीएम, तहसीलदार को मौके पर प्रमाण पत्र प्रदाय कर सम्मानित किया

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण किया

सिरोंज। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 5 जून से 16 जून 2024 तक अभियान चलाया माननीय कलेक्टर महोदय के आदेश पर उक्त अभियान 30 जून तक चलाया जा रहा है जिसमें महिला पार्षद श्रीमती रीना सचिन शर्मा वर्षा बलजीत यादव आरती राजू कुशवाह द्वारा लटेरी रोड डैम के नीचे खाली जगह पर वृक्षारोपण किया गया जिसमें नगर पालिका से सीएमओ एवं बालमुकुंद कुशवाहा और महिलाएं उपस्थित रहे।

स्कूल चले हम अभियान के तहत सीएमओ पवन शर्मा पहुंचे नयापुरा स्कूल

सिरोंज। शासन के निर्देश के बाद शासकीय स्कूलों में प्रवेश की प्रक्रिया 19 तारीख से प्रारंभ हुई है स्कूल चले हम अभियान के तहत तीन दिवसीय प्रवेश उत्सव का आयोजन सभी स्कूलों में चल रहा है इस अभियान में अधिकारी स्कूलों में पहुंचकर शिक्षा दे रहे हैं उसे भविष्य से भेंट का नाम दिया गया है मुख्यनगर पालिका अधिकारी पवन शर्मा ने नगर के नयापुरा स्कूल में जाकर छात्र-छात्राओं को शिक्षा दी उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा ऐसे भविष्य से भेंट का नाम दिया गया है जहां हमारे आने वाले भविष्य हमारे बच्चों से प्रत्येक प्रशासनिक अधिकारी अलग-अलग स्कूलों में पहुंचकर उनसे मुलाकात करने के साथ-साथ शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा की।

नपा कर्मचारियों ने आम फ्री नहीं देने पर ठेले वाले के साथ की अड़ीबाजी

वीडियो वायरल, होगी कार्रवाई - धीरज मैना

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सुबह से शाम तक मजदूरी करके अपना तथा अपने परिवार का जीवन यापन करने वालों फल का ठेला लगाने वाले को किस तरह से नगर पालिका प्रशासन का एक कर्मचारी फ्री में आम नहीं देने पर खुलेआम अडीबाजी करता हुआ दिखाई दे रहा है, वीडियो सामने आने के बाद कड़ी कार्रवाई करने के बाद भी नगर पालिका स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा कही जा रही है । शुक्रवार की रात्रि में का घटनाक्रम है देवेंद्र शाक्य नवीन बस स्टैंड पर फल बेचने का ठेला लगाता है तभी रात्रि 10 बजे के करीब ने दो व्यक्ति आए बोले कि आम दे दो इसके बाद ठेले वाले ने आम तौर कर दिए जैसे ही उसने पैसों की मांग की तो बोले कि तुम मुझे नहीं जानते हो मैं नगर पालिका स्वास्थ्य का प्रभारी सौरव वाल्मीकि की बोल रहा हूं कोई पैसे नहीं देंगे काफी देर तक ठेले के समान को भी इधर-उधर करने का काम किया गया इसी बीच ठेले वालों ने उनके इस व्यवहार और अडीबाजी करने का वीडियो बनाने लगे जिस पर सो शाखा का प्रभारी बताने वाला सौरव मालवीय बोला कि जो करना है वह करो जितनी वीडियो बनाना उतने वीडियो बना तो मुझे नहीं जानते हो मैं तुम्हें फ्री में आम देने ही पड़ेंगे इससे ऐसा लग रहा है कि नगरपालिका के कर्मचारी को किसी का कोई डर नहीं है साथ ही वायरल वीडियो में साफ तौर पर वहां नशे में नजर आ रहा है उसकी आवाज भी सही तरीके से नहीं निकल रही है हरकतों देखकर भी ऐसा ही प्रतीत हो रहा है। काफी देर तक यहां पर हंगामा किया गया ठेले वाला चुपचाप इनकी हरकतों को मोबाइल में कैद करता रहा कार्रवाई के लिए देवेंद्र शाक्य ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा पुलिस को भी आवेदन देकर अड़ीबाजी करने वालों दो व्यक्तियों पर कार्रवाई की मांग की है। आमला शुक्रवार की रात्रि में नवीन बस स्टैंड पर फलों का ठेला लगाकर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करने वाले के साथ नगर पालिका स्वास्थ्य शाखा प्रभारी सौरव वाल्मीकि और उसके एक साथी ने ठेले वाले से फ्री में आम मांगे नहीं देने पर सौरव वाल्मीकि वीडियो में बोल रहा है कि तुम मुझे नहीं जानता मैं नगर पालिका स्वास्थ्य शाखा का प्रभारी सौरभ वाल्मीकि बोल रहा हूं मुझे पैसे मांगेगा फ्री में देने होंगे ठेले वाला चुपचाप इनकी बातों को सुनता रहा और समान फेंकने और फ्री में आम मांगने का वीडियो बनवा लिया जिसको सोशल मीडिया पर भी देवेंद्र शाक्य के द्वारा वायरल करते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नाम आवेदन दिया तथा थाने में भी आवेदन देते हुए देवेंद्र ने कहा कि रात्रि 10 बजे के करीब नवीन बस स्टैंड पर मैं ठेले पर था तभी दो व्यक्ति और बोले कि मुझे आम दो तो मैंने आम तोल कर राखे पैसे मांगने पर यह बोल तू मुझे नहीं जानता मैं स्वस्थ शाखा का प्रभारी हूं वीडियो में साफ तौर पर नशे में नजर आ रहे हैं काफी देर तक हंगामा चलता रहा। वीडियो सामने आने के बाद भी पुलिस के द्वारा तो इसमें कोई मामला दर्ज नहीं किया गया । वहीं वायरल वीडियो की पुष्टि दोपहर मेंट्रो नहीं करता है।

हम करेंगे कार्रवाई

वहीं नगर पालिका स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना कहा कि वीडियो मेरे पास भी आ गया मामला मेरे संज्ञान में है स्वस्थ शाखा के सौरभ वाल्मीकि का मालवीय का है वह शराब के नशे में भी नजर आ रहा है और रात्रि में इस तरह से हंगामा करना फ्री में समान मांगना कहीं से कहीं तक उचित नहीं है । सोमवार को हम इस मामले में सौरभ मालवीय पर कड़ी कार्रवाई करेंगे इस तरह का व्यवहार करने का अधिकार किसी को भी नहीं है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन शर्मा ने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में नहीं है यदि ऐसा कुछ है तो मैं दिखवाता हूं।

मेट्रो एंकर

कलेक्टर ने की पीएम जनमन व सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा

राजस्व विभाग व सम्पूर्ण जिला पहली बार ए ग्रेड सूची में शामिल, कलेक्टर ने दिया धन्यवाद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने शनिवार को सीएम हेल्पलाइन और पीएम जनमन के तहत सम्पादित किए जा रहे कार्यो की समीक्षा की। कलेक्टेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की जारी प्रदेश स्तरीय रैकिंग सूची में विदिशा जिला द्वितीय स्थान हासिल करने पर विभागो के अधिकारियों के प्रति धन्यावाद ज्ञापि करते हुए कहा कि राजस्व विभाग व सम्पूर्ण जिला पहली बाहर ए ग्रेड सूची में शामिल हुआ है उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि वे निराकरण मामलो की इस गति को बनाए रखें।

जिले में संचालित प्रधानमंत्री जनमन योजना के पात्रताधारी सहरिया जनजाति नागरिको को योजना के तहत प्रदाय की जाने वाली 11 प्रकार की विभिन्न प्रकार की सेवाओं का लाभ अविलम्ब प्राप्त हो इसके लिए पीएम जनमन कार्यो की लगातार समीक्षा कर नजर रखी जा रही है। इसी प्रकार सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनो के आवेदको की समस्याओं का निदान शीघ्र हो इस कार्य में किसी भी प्रकार की विलम्बता व त्रुटि ना हो पर भी नजर रखी जा रही है।

जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने शनिवार को पीएम जनमन व सीएम हेल्पलाइन के लंबित आवेदनों पर संबंधित विभागो के जिलाधिकारियों द्वारा संपादित किए गए कार्यो की गहन समीक्षा की है। कलेक्टेउट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस समीक्षात्मक बैठक में अपर कलेक्टर अनिल डामोर ने सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों का निराकरण समय सीमा में कर आवेदको के विश्वास पर विभाग खरे उतरे। उन्होंने

कहा कि ऐसे आवेदन जिनका निराकरण जिला स्तर पर संभव नहीं है उन आवेदनो के मामलो में स्पष्ट कारण अंकित करते हुए निराकरण हेतु विभाग प्रमुख को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

पीएम जनमन के कार्यो की समीक्षा दौरान अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने कहा कि चिन्हांकित सहरिया जनजाति के सभी नागरिको को योजना के मापदण्डो अनुसार शत प्रतिशत लाभांवित किया जाना है। अतः इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से कैसे पूरा करें इस ओर पहल कर हम अपने लक्ष्यो की पूर्ति कराना सुनिश्चित करें। समीक्षात्मक बैठक में बताया गया कि सहरिया जनजाति के हितग्राहियों को जिन-जिन योजनाओं का लाभ दिलाया जाना है उनमें हितग्राहीमूलक योजनाओं के अंतर्गत समग्र आईडी, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पात्रता पर्ची, उज्जवला योजना, जनधन खाता, पीएम विश्वकर्मा एवं स्व-सहायता समूह के माध्यम से शत प्रतिशत लाभांवित किया जाना है। इसके अलावा सहरिया जनजाति बाहुल्य बस्तियों में जो अधोसंरचनाएं योजनाओं के तहत प्रदाय की जानी है उनमें पीएम आवास योजना, पीएम ग्राम सड़क योजना, विद्युतीकरण, आंगनबाडी केन्द्र, नल से जल, स्वास्थ्य केन्द्र, वन धन केन्द्र तथा रहवासी क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क के सिग्नल प्राप्त हो सकें इसके लिए आवश्यकतानुसार टॉवर लगाने के कार्य इत्यादि शामिल है।

कलेक्टेट के बेतवा सभागार में सम्पन्न हुई इस बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा, सुश्री निकिता तिवारी और डिप्टी कलेक्टर संतोष बिटौलिया सहित समस्त एसडीएम अलावा विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहें।

Life&Style

एन्लार्ज क्लिटोरिस सिर्फ महिलाओं को होती है...

महिला के क्लिटोरिस का कोई एक फिक्स साइज नहीं रहता है. लेकिन अगर यह हद से ज्यादा बढ़ते हैं तो इसके पीछे कुछ खास मेडिकल कंडीशन हो सकते हैं. एन्लार्ज क्लिटोरिस के पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं. इससे जलन और इचिंग भी हो सकता है. एलर्जी के कारण एनलॉर्ज क्लिटोरिस होता है इसकी वजह से आपको जलन, रैशेज और खुजली की दिक्कत हो सकती है. अगर किसी को हार्मोनल इनबैलेंस की दिक्कत हो रही है तो देखना होगा कि यह पीसीओएस के कारण ही पीरियड्स में प्रॉब्लम हो रही है.

एन्लार्ज क्लिटोरिस: महिला के क्लिटोरिस का कोई एक फिक्स साइज नहीं रहता है. लेकिन अगर यह हद से ज्यादा बढ़ते हैं तो इसके पीछे कुछ खास मेडिकल कंडीशन हो सकते हैं. एन्लार्ज क्लिटोरिस के पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं. क्लिटोरिस यूरेथरा के ठीक ऊपर होता है. बॉडी में यही से यूरिन निकलती है. एनलार्ज क्लिटोरिस को मेडिकल साइंस में एक समस्या कही गई है. अक्सर छोटी बच्ची या न्यू बॉर्न बेबी में इस तरह की समस्या दिखे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. कई बार यह किसी गंभीर बीमारी के कारण हो सकते हैं. यीस्ट इंफेक्शन, एलर्जिक इंफेक्शन और भी कई कारण हो सकते हैं.

बचने के लिए खास टिप्स: एन्लार्ज क्लिटोरिस से बचना है तो उसके लिए खास उपाय करने होंगे. इसके लिए कई हार सर्जिकल ट्रीटमेंट का सहारा लिया जाता है. कई बार कुछ ऑएंटमेंट की मदद से इसे ठीक करने की कोशिश की जाती है. लेकिन इस लेकर भी लोगों के मन में कुछ मिथ हैं जिन्हें वक्त रहते दूर करना बेहद जरूरी है. इस पर खुलकर बात करने की जरूरत है कई लोग ऐसे हैं जिन्हें पता ही नहीं है कि फिटनेस का सही अर्थ क्या है? आपको घर में अगर इस पर बात करने से शर्म आती है तो आप डॉक्टर से इस मुद्दे पर सलाह ले सकते हैं ताकि आगे कोई दिक्कत न हो.

टी-20 वर्ल्ड कप: 149 रन चेज नहीं कर पाए कंगारू

अफगानिस्तान ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से हराया

नईदिल्ली, एजेंसी

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 चरण में आज ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कोर बोर्ड पर 148 रन टांगे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की टीम 19.2 ओवर में 127 रन पर ही ढेर हो गई और अफगानिस्तान ने 21 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 चरण में आज सेंट विंसेंट के किंग्सटाउन स्थित अर्नोस वेल ग्राउंड ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कोर बोर्ड पर 148 रन टांगे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 19.2 ओवर में 127 रन पर ही ढेर हो गई और अफगानिस्तान ने 21 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। इस मैच में जहां आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 मैच में लगातार दूसरी बार हैट्रिक ली है। वहीं, अफगानिस्तान के गेंदबाज गुलबदीन नैब ने 4 विकेट चटकाए।

85 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया की आधी टीम पवेलियन लौटी

149 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद ही खराब रही। उसने ट्रैविस हेड(0) के रूप में अपना पहला विकेट शून्य पर गंवा दिया। फिर मिचेल मार्श (12) भी 16 के स्कोर पर नवीन उल हक का दूसरा शिकार बने। कंगारू टीम को तीसरा झटका 32 के स्कोर पर डेविड वॉर्नर (3) के रूप में नबी ने दिया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का चौथा विकेट 71 के स्कोर पर मार्कस स्टोइनिस के रूप में गिरा। वह 11 रन बनाकर गुलबदीन का शिकार बने। फिर टिम डेविड महज 2 रन बनाकर गुलबदीन की गेंद पर पगबाधा आउट हुए।

127 रन पर ढेर हुए कंगारू: ऑस्ट्रेलिया को छठा सबसे बड़ा झटका 106 के स्कोर पर लगा, जब ग्लेन मैक्सवेल 59 रन बनाकर गुलबदीन की गेंद पर नूर को कैच थमा बैठे। इसके बाद मैथ्यू वेड पांच रन बनाकर चलते बने। कंगारुओं को 8वां झटका 111 के स्कोर पर पैट कमिंस के रूप में लगा जो तीन रन बनाकर गुलबदीन का चौथा शिकार बने। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का 9वां विकेट 113 के स्कोर पर गिरा, जब एश्टन एगर सिर्फ दो रन बनाकर नवीन उल हक का तीसरा शिकार बने और ऑस्ट्रेलिया का आखिरी विकेट 127 के स्कोर पर गिरा और अफगानिस्तान ने 21 रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

अफगानिस्तान ने बनाए 148 रन: मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 148 रन बनाए हैं। बांग्लादेश के लिए गुरबाज और जादरान के बीच पहले विकेट के लिए 118 की साझेदारी हुई। गुरबाज ने 49 गेंद पर 60 रन तो इब्राहिम जादरान ने 48 गेंदों पर 51 रन की पारी खेली। इनके अलावा अन्य कोई बल्लेबाज 20 के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस ने हैट्रिक ली तो एडम जैम्पा ने दो विकेट चटकाए।

दमदार आगाज: अर्जेंटीना की टीम ने आसानी से कनाडा को 2-0 से हराया

मौजूदा चैंपियन इटली को आत्मघाती गोल पड़ा महंगा

गेल्सेंकिर्चेन (जर्मनी). एजेंसी

मौजूदा चैंपियन इटली को यूरो कप 2024 के दूसरे मुकाबले में अप्रत्याशित हार झेलनी पड़ी। ग्रुप-बी के इस मैच में इटली को स्पेन के खिलाफ आत्मघाती गोल का खामियाजा 0-1 की हार से उठाना पड़ा। इसके साथ ही इटली को यूरो कप में 2016 के बाद पहली हार झेलनी पड़ी थी। इस दौरान इटली ने कुल 10 मैच खेले और सात जीते जबकि तीन ड्रॉ खेले थे। दूसरी तरफ, लगातार दूसरी जीत के साथ स्पेनिश टीम ने अंतिम-16 में स्थान पक्का कर लिया।

कैलाफियोरी की गलती से हुआ गोल: पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद मैच के 55वें मिनट में इटली के 22 वर्षीय खिलाड़ी रिकार्डो कैलाफियोरी बहुत बड़ी गलती कर बैठे। स्पेन के खिलाड़ी विलियम्स के क्रॉस पर मोराटा ने फ्लिक कर दिया। मोराटा के शॉट को गोलकीपर डोनारुम्मा ने रोक दिया लेकिन गेंद उनकी अंगुलियां से लगकर कैलाफियोरी के पास पहुंची और रिबाउंड होकर गोलपोस्ट में चली गई। इस गोल से इटली के खिलाड़ी हतप्रभ रह गए जबकि स्पेनिश टीम के खिलाड़ी खुशी से झूम उठे।

बर्मिंघम क्लासिक टेनिस

रूस की डायना को दी शिकस्त एलिसबेता अंतिम-4 में पहुंची

बर्मिंघम. एजेंसी

इटली की एलिसबेता कोकियारेटो ने शानदार प्रदर्शन कायम रखते हुए शुक्रवार को बर्मिंघम क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने महिला एकल के अंतिम आठ मुकाबले में रूस की 20 वर्षीय डायना श्नाइडर को बेहद कड़े संघर्ष के बाद 5-7, 6-4, 6-2 से शिकस्त दी। हालांकि एलिसबेता को पहले सेट में हार झेलनी पड़ी लेकिन उन्होंने जबरदस्त पलटवार किया। एलिसबेता ने डायना के खिलाफ अजेय रेकॉर्ड कायम रखा। उन्होंने डायना के खिलाफ कुल तीन मैच खेले और सभी में जीत हासिल की। मैच जीतने के बाद एसिबेता ने कहा कि अब उनकी नजरें यहां खिताब हासिल करने पर है।

निशानेबाजी

श्रेयसी सिंह को ओलंपिक टीम में मिली जगह

नईदिल्ली. एजेंसी

ट्रैप निशानेबाज श्रेयसी सिंह को पेरिस ओलंपिक के लिए 21 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया है। श्रेयसी सिंह को अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ द्वारा कोटा बदलाव का आग्रह स्वीकार करने के बाद ओलंपिक टीम में जगह दी गई है। 32 वर्षीय श्रेयसी बिहार के जमुई से विधायक हैं और वह बिहार की पहली ऐसी एथलीट हैं, जिनका चयन ओलंपिक खेलों के लिए हुआ है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने कहा, चूंकि मनु भाकर ने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया है।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

शाहरुख-गोविंदा संग काम कर चुकी हैं एक्ट्रेस

ईशा कोप्पिकर ने कहा- लगता है पापा को हग कर रही हूं...

बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुकी एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया हैं कि बड़े एक्टर्स संग काम करने पर वे अनकम्फर्टेबल फील करती थीं. वहीं एक्ट्रेस ने कास्टिंग काउच की घटना का भी जिक्र किया. उन्होंने हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन को एक इंटरव्यू दिया है. सिद्धार्थ कन्नन संग इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस से सवाल किया गया था कि, सुनील शेट्टी और गोविंदा जैसे बड़े अभिनेताओं संग रोमांस करने के उनके एक्सपीरियंस कैसे रहे. इसे लेकर एक्ट्रेस ने हैरान करने वाला जवाब दिया. उनका कहना है कि बड़े एक्टर्स संग काम या रोमांस के दौरान वे कम्फर्टेबल नहीं थी. एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि उम्र में बड़े एक्टर्स संग काम करने पर उन्हें ऐसा लगता था कि जैसे वे अपने पिता को गले लगा रही हो. उन्होंने कहा कि, जब आप अपने से 30 या 20 साल बड़े किसी व्यक्ति के साथ काम करते हैं तो आप असहज महसूस करते हैं. जब मैं बुजुर्ग एक्टर्स के साथ काम कर रही थी तो मुझे अनकम्फर्टेबल फील हुआ. आपको ऐसा महसूस नहीं होता कि आप अपने को-एक्टर या लवर को गले लगा रहे हैं, आपको ऐसा महसूस होता है जैसे आप अपने पिता को गले लगा रहे हैं. मुझे ऐसा महसूस होता था. लेकिन यह ठीक है कि मैं नई थी, मैंने सोचा कि यह नॉर्मल हैं. ईशा ने अधिक उम्र के एक्टर्स को सलाह देते हुए कहा है कि उन्हें उनकी उम्र के अनुसार ही रोल करना चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि मैंने उन्हें (दर्शकों) सिनेमाघरों में यह कहते हुए देखा है, 'ये कितना बूढ़ा लग रहा है, घर पर बैठ', अपनी बेटी की उम्र की लड़की के साथ रोमांस कर रहा है (वह कितने साल का लग रहा है, घर बैठो, तुम अपनी बेटी की लड़की के साथ रोमांस कर रहे हो). ईशा ने कहा कि हीरोइनें 35 साल की उम्र के बाद मां के रोल करने लगती हैं. 35 की उम्र में ही एक्ट्रेस 50 साल की उम्र के किरदार निभाने लगती हैं.

सोनाक्षी के घर पूजा, दुल्हन के लिए लहंगा लाया गया

सोनाक्षी सिन्हा की शादी से पहले उनके घर 'रामायणा' में एक पूजा रखी गई। सोनाक्षी की मां पूनम सिन्हा की मौजूदगी में यह पूजा रखी गई। हमें जो विजुअल्स मिले हैं, उसमें देखा जा सकता है कि घर में पूजा-अर्चना हो रही है। चार पंडित जमीन पर बैठकर पूजा करा रहे हैं। पूनम सिन्हा के आस-पास कुछ महिलाएं जमीन पर बैठी नजर आ रही हैं। इसी बीच दुल्हन के लिए कपड़े भी आ चुके हैं। सोनाक्षी के घर के बाहर एक कार आकर रुकी, जिसमें उनकी शादी वाला लहंगा रखा हुआ था। 23 जून को सोनाक्षी अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से शादी करने जा रही हैं। कल ही शाम को रिसेप्शन पार्टी भी होगी। यह रिसेप्शन पार्टी शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट बैस्टियन में रखी गई है। सलमान खान, हुमा कुरैशी, साकिब सलीम सहित कई एक्टर्स इस सेरेमनी में शिरकत करेंगे। बता दें सोनाक्षी और जहीर 7 साल से रिलेशनशिप में हैं। दोनों की पहली मुलाकात सलमान खान की एक पार्टी में हुई थी। कुछ समय की दोस्ती के बाद दोनों रिश्ते में आ गए। कपल की हल्दी और मेहंदी सेरेमनी की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों को जहीर की बहन और सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट सनम रत्नासी के दोस्त जफर अली मुंशी ने शेयर किया है। इस शादी में शामिल होने के लिए सोनाक्षी के पिता शत्रुघ्न सिन्हा के भाई और कई फैमिली मेंबर्स अमेरिका से आ रहे हैं। इस बात का खुलासा शत्रुघ्न के दोस्त शशि रंजन ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में किया था। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि कपल की रजिस्टर्ड मैरिज जहीर इकबाल के घर पर ही होगी। यह पूरे परिवार के लिए बहुत ही खुशनुमा पल है।

अंबानी के फंक्शन पर बोलीं सारा अली खान- वो हमें रोटी के साथ सोना परोसते थे!

सारा अली खान ने एक इंटरव्यू के दौरान जामनगर में हुए अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन के बारे में बात की। सारा अली खान ने मार्च में हुए अनंत और राधिका की प्री-वेडिंग पार्टी को याद किया और मजाक में कहा- वो हमें सोना परोसते थे। हम रोटी के साथ सोना खाते थे और वहां हर जगह हीरे थे। आखिर में उन्होंने बताया कि ये बहुत अच्छा एक्सपीरियंस था। उन्होंने बहुत ही अच्छे से मेहमाननवाजी की। मैं अनंत के साथ स्कूल गई हूं, मैं राधिका को बचपन से जानती हूं। मुझे लगता है कि पूरा अंबानी परिवार, नीता मैम जो धीरूभाई अंबानी स्कूल में मेरी चेयरपर्सन थीं।

सारा के लिए प्री-वेडिंग का सबसे यादगार मोमेंट

मिडडे से बात करते हुए सारा ने तीन दिन के इस प्री-वेडिंग इवेंट के सबसे यादगार मोमेंट को याद करते हुए कहा- मुझे लगता है कि मेरे लिए सबसे यादगार मोमेंट वो था जब मैंने अनंत और राधिका को सिग्नेचर करते हुए और एक-दूसरे को प्यार से देखते हुए देखा। ये मोमेंट वाकई बहुत खूबसूरत था। इसके अलावा उन्होंने नीता अंबानी की परफॉर्मेंस की तारीफ की। जब नीता मैम ने अनंत के लिए भरतनाट्यम किया, जहां उन्होंने एक भी ताल नहीं छोड़ी। उस समय उनके अंदर एक ग्रेस दिखाई दे रहा था। लेकिन उसके साथ-साथ उनकी आंखों में मां की ममता भी दिखाई दे रही थी। सारा ने अपने रहने की जगह और उसके आस-पास के बारे में जानकारी शेयर करते हुए बताया- मैं ग्रीन रिट्रीट नाम की जगह पर रुकी थी।

जुलाई में होगी अनंत और राधिका की शादी

अंबानी परिवार ने जुलाई में होने वाली अनंत और राधिका की शादी से पहले जामनगर में उनका प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन किया। इस इवेंट में रिहाना, एकॉन, दिलजीत दोसांझ और अरिजीत सिंह जैसे सिंगर्स ने गेस्ट के लिए परफॉर्म किया था। हाल ही में अंबानी परिवार ने यूरोप में एक लग्जरी क्रूज पर एक और प्री-वेडिंग पार्टी रखी थी। ये चार दिनों तक चली जिसमें बॉलीवुड के कई स्टार्स शामिल हुए।

बर्थ एनिवर्सरी: अमरीश पुरी ने टॉम एंड जेरी देखकर सीखी एक्टिंग

एक्टिंग देख राज कपूर ने कहा था- तुम एक दिन इंडस्ट्री की शान बनोगे

इंडियन सिनेमा के आइकॉनिक और खतरनाक विलेन्स की बात होती है तो जेहन में सबसे पहले अमरीश पुरी का नाम आता है। 22 जून 1932 को नवांशहर, पंजाब में जन्मे अमरीश पुरी की आज 92वीं बर्थ एनिवर्सरी है। अमरीश पुरी को वर्धन प्यार से दादू कहते हैं। वर्धन अपने दादू को यादकर करके भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि जब भी दादू का जिक्र होता है तो चेहरे पर मुस्कान और आंखों में नमी होती है। बातचीत के दौरान वर्धन पुरी ने बताया कि दादू के नाटकों की इंडस्ट्री में कई बड़ी हस्तियां फैन थीं। एक बार राज कपूर साहब प्ले देखने आए तो ऑडिटोरियम लोगों से भरा हुआ था। जमीन पर बैठकर उन्होंने प्ले देखा। प्ले खत्म होने के बाद स्टेज पर जाकर दादू को गले लगाकर बोले थे- अमरीश एक दिन इंडस्ट्री की शान बनोगे। वर्धन अपने दादू को अपना बेस्ट फ्रेंड मानते थे। वह कहते हैं- दादू मेरे बेस्ट फ्रेंड थे और हमेशा रहेंगे। घर पर मिडिल क्लास फैमिली जैसा माहौल रहता था। दादू की जो छवि रही है, उससे स्कूल के बच्चे घर आने से डरते थे। दादू को टॉम एण्ड जेरी बहुत पसंद था। हमें दादू की शूटिंग पर जाने की अनुमति नहीं थी। दादा और दादी का मानना था कि अगर हम सेट पर जाएंगे तो हमारा दिमाग खराब हो जाएगा। ऐसा लगने लगेगा कि हम दूसरों बच्चों से अलग या फिर स्पेशल हैं। घर का माहौल भी बहुत ही साधारण था। मुझे और मेरी बहन को मिडिल क्लास फैमिली की परवरिश दी गई। हमें कभी पता ही नहीं चला कि दादू बड़े स्टार हैं। हमें लगता था कि हमारे दादा दूसरो के दादाओं की तरह हैं, जो सुबह ऑफिस जाते हैं और रात को घर आ जाते हैं। जब हम बाहर डिनर पर या किसी के घर जाते थे। लोगों का जमावड़ा देखकर, उनका नाम लेकर चिल्लाते देखकर, एहसास हो गया था कि दादू कोई बड़ी हस्ती हैं। एक बार ताज होटल में डिनर के लिए गए थे। मैनेजर और होटल के बाकी स्टाफ आकार हमारे आस पास खड़े हो गए। मैं सोच रहा है कि बाकी टेबल पर इस तरह की खातिरदारी नहीं हो रही है। मैनेजर ने दादू से बिल नहीं लिया। हमें केक पैक करके दिए। मैं रास्ते भर सोचता रहा कि दादू जरूर कोई बड़ी हस्ती हैं।

जलसंकट

भोपाल। राजधानी के पुराने शहर जेपी नगर में पानी की समस्या से रहवासीपरेशान हो रहे हैं।

पोलियो की दवा पिलाई

भोपाल। शहर के नादरा बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर बच्चों को पल्स पोलियो की दवाई पिलाई गई।

ओवरटेक करते समय जीप और कार टकराई एक की मौत, आधा दर्जन घायल

मनुआभान टेकरी के पास हुआ हादसा, जीप के नीचे फंसने से युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित मनुआभान टेकरी के पास बीती रात जीप और कार की टक्कर होने से जीप पलट गई। जीप पलटने से जीप में बैठा एक युवक दब गिया। जीप के नीचे दबे युवक को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया था, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि हादसा ओवर स्पीड में एक दूसरे को ओवरटेक करते समय हुआ था। दरसअल, दोनों वाहन के चालक ओवरटेक करने के बाद आपस में रेस करने लगे थे और मनुआभान टेकरी के बाद साइड से वाहनों की टक्कर होने के बाद जीप पलट गई।

पुलिस के अनुसार असफाक पिता खालिद (35) मकान नंबर 35 इमामीगेट पर रहता था और प्राइवेट काम करता था। शनिवार देर रात वह अपने पांच परिचितों के साथ जीप से घूमने निकला था। मुनआभान टेकरी के पास पहुंचते तक उसकी जीप की बगल में एक कार चलने लगी। जीप चला रहे युवक ने कार से आगे निकलने का प्रयास किया। इसी दौरान कार चालक ने भी कार की रफ्तार बड़ा दी। आगे बढ़ने की होड़ में दोनों ही गाड़ी वाले तेजी से अपने वाहनों को चलाने लगे और मनुआभान टेकरी के पास पहुंचते ही उनकी गाड़ी साइड से टकरा गई। साइड से टक्कर होने के कारण जीप पलट गई थी। जीप पलटने से जीप में बैठा असफाक जीप की बॉडी में फंस गया, जबकि ओपन जीप होने के कारण जीप सवार उसके साथी सड़क पर गिरे थे। सभी को गंभीर चोट आई थी।

स्थानीय लोगों ने संभाला मोर्चा

हादसा रात करीब एक बजे के आसपास का बताया जा रहा है। हादसे के बाद वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जबकि जीप को उठाकर उसके नीचे दबे असफाक को बाहर निकला। जीप में दबने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

लालघाटी के पास से शुरू हुई थी रेस

सूत्रों की मानें तो जीप और कार में लालघाटी के पास से रेस शुरू हुई थी। मनुआभान टेकरी के पास टक्कर होने से जीप पलट गई। पुलिस का कहना है कि हादसे के बाद कार का चालक कार मौके पर छोड़कर भाग निकला था। जीप सवार घायलों के अभी बयान नहीं हो सके हैं। उनके बयान होने के बाद ही हादसे के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस ने हादसे में मरने वाले असफाक का शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

खेत में खाद का छिड़काव कर रहे किसान पर गिरी आकाशीय बिजली, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित रमगड़ा गांव में कल शनिवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से युवा किसान की मौत हो गई। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया था। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दियाड़था। रविवार को पीएम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार गांव रमगड़ा निवासी मायाराम अहिरवार (30) पेशे से किसान था। शनिवार शाम करीब छह-सात बजे वह अपने खेत में खाद का छिड़काव कर रहा था। उसका मकान खेत में ही बना हुआ है। एकाएक बारिश शुरू होने के कारण वह खेत में ही पेड़ के नीचे बारिश कम होने का इंतजार करने लगा। इसी बीच तेज गड़गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिरी और मायाराम बेसुध होकर गिर गया। परिजन मौके पर पहुंचे और मायाराक को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही मायराम को मृत घोषित कर दिया।

हमीदिया अस्पताल मर्चूरी के पास डंपर पलटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। हमीदिया अस्पताल में मर्चूरी के पास पड़ा मलमा उठाने पहुंचा एक डंपर देर रात ढलान पर पलट गया। इस हादसे में क्लीनर और ड्राइवर बाल-बाल बचे उन्हें मामूली चोट आई है।

पहले टक्कर मारी, फिर मोबाइल चुराकर भागे बाइक सवार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर इलाके में शुक्रवार रात बाइक सवार तीन युवकों ने स्कूटर से जा रहे दो युवकों को टक्कर मार दी। उसके बाद एक युवक की जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी कर तीनों भाग निकले। पुलिस ने एक्सीडेंट और चोरी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक सिराज अहमद (17) मांडवा बस्ती कमला नगर में रहता है। वह अपने दोस्त नहीम के साथ स्कूटर से नेहरू नगर चौराहे से मांडवा बस्ती जा रहा था। दोनों पुलिस पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। बाइक पर सवार तीनों युवकों ने उन्हें उठाकर सड़क किनारे बिठाया। इसी बीच सिराज ने देखा कि उसकी शर्ट की जेब में रखा मोबाइल गायब है। उसने आवाज लगाकर तीनों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन तीनों युवक बाइक पर बैठकर भाग निकले। बाद में सिराज ने थाने जाकर उनके खिलाफ एक्सीडेंट और चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

तालाब में मिला नवजात का शव

भोपाल। तलैया थाना क्षेत्र स्थित शीतल दास की बगिया से कुछ दूरी पर ब्रिज के पास कल रात तालाब से एक नवजात बच्चे का शव बरामद किया गया है। पुलिस ने मर्ग काम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार शनिवार रात करीब दस बजे शीतल दास की बगिया से कुछ दूरी पर तालाब में कुछ लोगों ने एक नवजात बच्चे का शव देखा गया था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चे का शव गोताखोर की मदद से बाहर निकाला और पीएम के लिए भेज दिया। नवजात की उम्र करीब एक दिन के आसपास होगी। पुलिस बच्चे की मां और परिजन की तलाश कर रही है।

राजीनामा नहीं करने पर नवविवाहिता को पिलाया फिनाइल, प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। घरेलू अनबन के चलते नवविवाहिता को फिनाइल पिलाकर मौत के घाट उतारने का प्रयास करने वाले पति, सास-ससुर व ननद के खिलाफ निशातपुरा पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। घटना करीब 8 माह पहले की है। आरोपी इतने दिनों तक पीड़िता पर प्रकरण दर्ज न करने का दबाव बनाते रहे थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी करोंद निवासी फेहमीना (20) की शादी साल 2022 में सईद कॉलोनी हाउसिंग बोर्ड में रहने वाले यूसुफ खान से हुई थी। आपसी घरेलू अनबन के चलते अक्टूबर 2023 में पति यूसुफ समेत सास शाहिदा सुल्तान, ससुर शरीफ व ननद लुबना ने मारपीट करके फेहमीना को जान से मारने की नीयत से जबरन फिनाइल पिला दिया था। गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन जान बच गई थी। घटना के बाद से ही आरोपी फेहमीना पर रिपोर्ट दर्ज न कराने व समझौता करने का दबाव बना रहे थे। जब दोनों पक्षों में समझौते की सहमति नहीं बन सकी तो फेहमीना ने पति समेत चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करा दिया है।

कपड़े सुखाते समय लगा करंट, महिला की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातीबड़ में रहने वाली एक महिला को शनिवार दोपहर बिजली का करंट लग गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार श्यामबाई मीना (35) ग्राम सरवर थाना रातीबड़ में रहती थी और गृहणी थी। शनिवार दोपहर को वह बाथरूम से कपड़े धोकर बाहर निकली और सुखाने के लिए बाहर बंधे लोहे के तार पर डालने लगी। इस तार से कोई बिजली का तार टच हो गया था, जिससे उसमें करंट आ गया था। महिला ने जैसे ही कपड़े तार पर डाले, वैसे ही उसे करंट का जोरदार झटका लगा था। परिजन श्यामबाई को इलाज के लिए स्मार्ट सिटी रोड स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया।

मेट्रो एंकर हत्या के मामले में विचाराधीन है महिला बंदी, महिला जेल प्रहरी सस्पेंड

हमीदिया अस्पताल से फरार गर्भवती बंदी का अब तक नहीं लगा सुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। हमीदिया अस्पताल से शनिवार को फरार हुई गर्भवती बंदी का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। महिला बंदी हमीदिया अस्पताल से महिला प्रेहरी को चकमा देकर फरार हो गईड़थी। दरअसल, एक महीने का गर्भ होने के कारण उसे रूटीन चेकअप के लिए एक महिला प्रहरी के साथ भेजा गया था। महिला डॉक्टर ने उसे यूरिन सेंपल देना का कहाड़और वह बाथरूम में जेल प्रहरी को चकमा देकर भाग निकली। इस मामले में लापरवाही बरतने वाली महिला जेल प्रहरी को सस्पेंड कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार मूलरूप से कुरवाई जिला विदिशा निवासी सालेहा पत्नी मुस्तुफा खान (24) हत्या के एक मामले में विचाराधीन बंदी है। विगत 27 अप्रैल को उसे विदिशा जेल से भोपाल की केन्द्रीय जेल में स्थानांतरित किया गया था। उसे एक माह का गर्भ था। शनिवार 22 जून की दोपहर करीब 12 बजे सालेहा को रूटीन चेकअप के लिए महिला प्रहरी अनीता त्रिपाठी के साथ हमीदिया अस्पताल के सुल्तानिया वार्ड में भेजा गया था। महिला चिकित्सक ने चेकअप के बाद उसे यूरिन सेंपल मांगा। जेल प्रहरी अनीता के साथ वह महिलाओं के बाथरूम सेंपल लेने पहुंची। बाथरूम में काफी भीड़ थी। महिला बंदी के बाथरूम में जाते ही महिला प्रेहरी भी सामने वाले बाथरूम में फ्रेश होने चली गई और जल्द ही बाहर भी आ गई। लेकिन तब तक महिला बंदी सालेहा वहां से फरार हो चुकी थी। लापरवाही बरतने के कारण जेल प्रहरी अनीता को सस्पेंड कर दिया गया है। पूरे मामले में जेल अधीक्षक राकेश भांगरे का कहना है कि कोहेफिजा पुलिस को घटना की लिखित शिकायत दी गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022